इस्लामी मालूमात का अनमोल ज़ख़ीरा

इस्लामी मालूमात-ए-आम्मा

लेखक

मुहम्मद अमीनुल क़ादरी बरेलवी

दीनी मालूमात का अनमोल ज़ख़ीरा

लेखक
मुहम्मद अमीनुल क़ादरी बरेलवी

786

इस्लामी मालूमात - ए - आम्मा

1 सवाल :- हमारे नबी का "अह़मद" नाम किसने रखा ?

जवाब :– वालिदा मजिदा ने ख़्वाब में एक फ़रिश्ते से बशारत पाकर अह़मद नाम रखा।

2 सवाल :- हिजरत–ए–मदीना से क़ब्ल (पहलें) आपने मदीने का सफ़र कब किया था ?

जवाब :– बचपन में वालिदा के साथ ।

3 सवाल :- हमारे नबी की वालिदा व वालिद के नाम बताइये ?

जवाब :– ह़ज़रत आमिना व ह़ज़रत अ़ब्दुल्ला।

4 सवाल :- जिस वक़्त हुज़ूर ने पहला सफ़र मुल्क–ए–शाम की तरफ किया था तब आपकी उ़म्र क्या थी ?

जवाब :– बारह साल थी ।

5 सवाल :- जब हमारे नबी की वालिदा का इन्तक़ाल हुआ उस वक़्त आपकी क्या उ़म्र थी ?

जवाब :– छः साल ।

6 सवाल :- जब हुज़ूर ने ऐलान–ए–नुबुव्वत फ़रमाया तो उस वक़्त आपकी उम्र क्या थी ?

जवाब :– चालीस साल

7 **सवाल** :- हमारे नबी का "मुहम्मद" नाम किसने रखा ?

जवाब :– आपके दादा हज़रत अब्दुल मुत्तलिब ने ।

8 **सवाल** :- हमारे नबी के परदादा का असली नाम बताइये ?

जवाब :– हमारे नबी के परदादा का असली नाम "अम्र" था।

9 **सवाल** :- हमारे नबी के वालिद का विसाल कहां हुआ ?

जवाब :– यसरब (मदीना शरीफ़) में ।

10 **सवाल** :- हमारे नबी के दादा को आपकी पैदाइश की खुशखबरी किसने दी ?

जवाब :– उम्म–ए–ऐमन रदियल्लाहु अ़नहा ने।

11 **सवाल** :- हमारे नबी के नाना का नाम बताइये?

जवाब :– "वहब" ।

12 **सवाल** :- हमारे नबी के दो प्यारे नवासों के नाम बताइये?

जवाब :– 1 हज़रत इमाम हसन

2 हज़रत इमाम हुसैन रदियल्लाहु अ़न्हुमा ।

13 **सवाल** :- ग़ार–ए–ह़िरा किस पहाड़ में है ?

जवाब :– जबल–ए–नूर में ।

14 **सवाल** :- उस मक़ाम की निशानदिही कीजिए जहां जिबरील अ़लैहिस्सलाम ने मेराज

के मौके पर सरकार–ए–दो आलम से दो रकात नमाज़ पढ़ने के लिए कहा ?

जवाब :– हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम की जायविलादत। (जन्मभूमि)

15 **सवाल :-** हमारे नबी जब हिजरत फरमाकर मदीना तशरीफ ले जा रहे थे तब कौन सी सूरह की तिलावत फ़रमा रहे थे ?

जवाब :– सूरह यासीन शरीफ़ की ।

16 **सवाल :-** अबू मुहम्मद और अबुल अंम्बिया किसकी कुन्नियत हैं ?

जवाब :– हज़रत इबराहीम अलैहिस्सलाम की ।

17 **सवाल :-** हमारे नबी ने कितनी औरतों का दूध नोश फ़रमाया?

जवाब :– तीन 1 हज़रत सुवैबा 2 हज़रत आमिना 3 हज़रत हलीमा सादिया ।

18 **सवाल :-** हमारे नबी ने सबसे पहले कौन सी जंग लड़ी और किस सन् हिजरी में ?

जवाब :– जंग–ए–बदर सन् 2 हिजरी में ।

19 **सवाल :-** सुलह हुदैबिया का वाक़िया किस सन् ईसवी में पेश आया?

जवाब :– सन् 628 ईसवी में ।

20 **सवाल :-** हिजरत के मौक़े पर नबी ने मक़ाम–ए–कुबा में किस के यहां क़याम

फरमाया?

जवाब :– कुलसूम बिन हदम रदिंयल्लाहु अ़न्हु के घर ।

21 **सवाल** :- हमारे नबी जब हिजरत फरमाकर मदीना पहुँवे तब अ़रबी तारीख़ क्या थी?

जवाब :– रबी उल अव्वल की आठवीं तारीख़ और सन् 13 नबवी थी।

22 **सवाल** :- हुजूर का निकाह हज़रत ख़दीजा से किस महीने में हुआ ?

जवाब :– मुहर्रम के महीने में ।

23 **सवाल** :- हुजूर–ए–अकरम के दादा हज़रत अ़ब्दुल मुत्तलिब की शादी किस शहर और किस खानदान से हुई ?

जवाब :– यसरब (मदीना) शहर से – बनू नज्जार के ख़ानदान से हुई ।

24 **सवाल** :- मस्जिद–ए–नबवी की बुनियाद किस महीने और किस सन् हिजरी में रखी गयी ?

जवाब :– रबी उ़ल अव्वल सन् 1 हिजरी में ।

25 **सवाल** :- जंग–ए–बदर के पहले शहीद का नाम बताइये ?

जवाब :– हज़रत मेहजा रदियल्लाहु अ़न्हु ।

26 **सवाल** :- हज़ूर का सीना मुबारक कितनी बार चाक किया गया ?

जवाब :– चार मरतबा ।

27 **सवाल** :- हुज़ूर–ए–अकरम क चचाओं के नाम बताइये ?

जवाब :– 1 हारिस 2 अबूतालिब 3 हमज़ा 4 अबू लहब 5 अब्बास 6 ज़ुबैर ।

28 **सवाल** :- आपके चचाओं में से ईमान कौन–कौन लाया ?

जवाब :– 1 हज़रत हमज़ा 2 हज़रत अब्बास ।

29 **सवाल** :- जब हमारे नबी मदीने शरीफ में दाख़िल हुए तब आपकी ऊंटनी किस सहाबी के घर बैठी थी ?

जवाब :– अबू अय्यूब अंसारी रदियल्लाहु तआला अन्हु के घर ।

30 **सवाल** :- मदीने का वह कौन सा शख्स है जिसने सबसे पहले हुज़ूर से मुलाक़ात करने के बाद इस्लाम क़बूल कर लिया ?

जवाब :– अयास बिन मआज़ रदियल्लाहु अन्हु ।

31 **सवाल** :- हुज़ूर अकरम की मुबारक उंगलियों से कितनी मरतबा पानी के चश्मे बह निकले ?

जवाब :– तक़रीबन तेरह मरतबा ।

32 **सवाल** :- हुज़ूर ने पहली बार मदीने पर किसको हाकिम मुक़र्रर किया?

जवाब :– साद बिन उ़बादा रदियल्लाहु अन्हु को।

33 **सवाल** :- जंग–ए–बदर में किस सहाबी की तलवार टूट गई? जिन्हें हुज़ूर ने खजर

की शाख़ अ़ता फ़रमाई जिसने तलवार का काम किया।

जवाब :– ह़ज़रत अ़क्काशा रदियल्लाहु तआला अ़न्हु की।

34 सवाल :- हुज़ूर की ज़बान मुबारक से कलाम–ए–इलाही सुन कर वह कौन सा पहला शायर था जो मक्का में मुसलमान हो गया था?

जवाब :– तुफ़ैल बिन अ़म्र दौसी रदियल्लाहु अन्हु ।

35 सवाल :- जंग–ए–बदर के मौक़े पर हुज़ूर–ए–अकरमने लश्कर–ए–कुफ्फार की तादाद मालूम करने के लिए किसे भेजा ?

जवाब :– ह़ज़रत हुबाब बिन मुन्जिर रदियल्लाहु अन्हु को ।

36 सवाल :- हमारे नबी ने मदीना शरीफ़ में कितने दिन क़याम किया?

जवाब :– दस साल ।

37 सवाल :- हिजरत के वक़्त हुज़ूर की क्या उ़म्र थी ?

जवाब :– 53 साल ।

38 सवाल :- हुज़ूर–ए–अकरम की सबसे बड़ी साह़बज़ादी कानाम बताइये ?

जवाब :– ह़ज़रत ज़ैनब रदियल्लाहु अन्हा ।

39 **सवाल** :- साहिबजादी–ए–रसूल हज़रत रुक़य्या का विसाल किस सन् हिजरी में हुआ?

जवाब :– सन् 2 हिजरी में ।

40 **सवाल** :- हमारे हुज़ूर के दंदान–ए–मुबारक किसने और किस जंग में शहीद किये?

जवाब :– उ़तबा बिन अबी वक़्क़ास ने – जंग–ए–उहुद में।

41 **सवाल** :- ह़ज्जतुलवदा किस सन् हिजरी में हुआ था ?

जवाब :– सन् 10 हिजरी में ।

42 **सवाल** :- हमारे नबी ने अपनी शिद्दते अ़लालत (सख़्त बीमारी) में किस को नमाज़ पढ़ाने का हुक्म फ़रमाया ।

जवाब :– ह़ज़रत अबूबक्र सिद्दीक़ रदियल्लाहु अन्हु को।

43 **सवाल** :- हमारे नबी ने मस्जिद में आख़िरी नमाज़ किस दिन पढ़ाई?

जवाब :– चहार शंबा । (बुध के दिन)

44 **सवाल** :- मदीने के दो क़बीले "औस" व ख़ज़रज के दरमियान जो आखिरी जंग हुई थी वह तारीख़–ए–अ़रब में किस नाम से मशहूर है ?

जवाब :– जंग–ए–बुआस के नाम से ।

45 **सवाल** :- फ़तेह़ मक्का के दिन हुज़ूर ने

ख़ान–ए–काबा से निकलकर काबा की कुन्जी किस को दी ?

जवाब :– उ़समान बिन त़लहा रदियलहु अन्हु को ।

46 **सवाल** :- ह़ज़रत उ़मर के बहिन और बहिनुई के नाम बताइये?

जवाब :– बहिन का नाम् फातिमा – बहिनुई का नाम स़ाद बिन ज़ैद।

47 **सवाल** :- सबसे पहले शक़्क़–ए–सदर का वाक़िया कब पेश आया ?

जवाब :– बचपन में जब आप ह़ज़रत ह़लीमा के यहां थे।

48 **सवाल** :- अ़रब के उस पहलवान का नाम बताइये जिसने नुबुव्वत के सुबूत में हुज़ूर से कुश्ती लड़ने का मुत़ालबा किया था?

जवाब :– ह़ज़रत रुकाना रदियल्लाहु अन्हु ।

49 **सवाल** :- शब–ए–मेराज आपकी सातवें आसमान पर किस नबी से मुलाक़ात हुई ?

जवाब :– ह़ज़रत इब्राहीम अलैहिस्सालाम से ।

50 **सवाल** :- इबतिदा–ए–नुज़ूले वह़ी की सन् ई० बताइये ?

जवाब :– 610 इसवी ।

51 **सवाल** :- हुज़ूर की कब्र शरीफ़ किसके हुजरे में है ?

जवाब :– ह़ज़रते आइशा रदियल्लाहु अन्हा के।

52 **सवाल** :- सबसे पहले बुलन्द आवाज़ से तिलावत करने वाले का नाम बताइये ?

जवाब :– ह़ज़रत उ़मर रदियल्लाहु अ़न्हु ।

53 **सवाल** :- ह़ज़रत अ़ली के दादा का नाम बताइये?

जवाब :– ह़ज़रत अ़ब्दुल मुत्त़लिब ।

54 **सवाल** :- हिजरत के बाद मदीने में सबसे पहले किस स़हाबी की विलादत हुई ?

जवाब :– ह़ज़रत अ़ब्दुल्लाह बिन ज़ुबैर रदियल्लाहु अ़न्हु की।

55 **सवाल** :- जंग–ए–ख़न्दक़ के मौक़े पर कुफ़्फ़ार ने जो मुशतर्का लश्करकशी की थी उस का सिपहसालार (सेनापति) कौन था ?

जवाब :– अबू सुफ़यान।

56 **सवाल** :- जंग–ए–ख़न्दक़ के मौक़े पर लश्कर–ए–कुफ़्फ़ार की त़ादाद क्या थी?

जवाब :– दस हज़ार की त़ादाद थी।

57 **सवाल** :- सबसे पहले ख़ान–ए–काबा पर उतार कर ग़िलाफ किसने चढ़ाया ?

जवाब :– ह़ज़रत अमीर मआ़विया रदियल्लाहु अ़न्हु ने ।

58 **सवाल** :- हुज़ूर–ए–अकरम की क़ब्र खोदने का किसे शर्फ ह़ासिल हुआ ?

जवाब :– हज़रत अबू तलहा रदियल्लाहु अन्हु को।

59 **सवाल** :- हुज़ूर ने सन् 9 हिजरी में अमीर–उल–हाज्ज किसे बनाया था?

जवाब :– हज़रत अबू बक सिद्दीक़ को ।

60 **सवाल** :- क़िला क़मूस फ़तेह करते हुए जब हज़रत अली की ढाल टूट गयी तब आपने किस चीज़ कोबतौर ढाल इस्तेमाल फ़रमाया ?

जवाब :– क़िला क़मूस के फाटक की किवाड़ को।

61 **सवाल** :- हुजूर की उन जौज़ा (बीवी) का नाम बताइये जो अरबी–उल–नस्ल नहीं थीं ?

जवाब :– उनका नाम सफ़िया (जैनब) था।

62 **सवाल** :- मक्का शरीफ़ के जिस मुहल्ले में हुज़ूर की पैदाइश हुई थी उसका नाम बताइये ?

जवाब :– सूक़–उल–लैल ।

63 **सवाल** :- जंग–ए–उहुद में कितने मुसलमान शहीद हुए ?

जवाब :– सत्तर (70)

64 **सवाल** :- ख़ातून–ए–जन्नत हज़रत फ़ातिमा की वालिदा का नाम बताइये ?

जवाब :– हज़रत ख़दीजा रदियल्लाहु अन्हा ।

65 **सवाल** :- हज़रत फ़ातिमा रदियल्लाहु अन्हा की शादी किस सन हिजरी में हुई ?

जवाब :– सन 2 हिजरी में।

66 **सवाल** :- जो बादशाह हाथियों की फ़ौज लेकर काबा ढाने के लिए आया था उसका नाम क्या था ? यह वाक़्या हुज़ूर की पैदाइश से कितने दिन पहले का है ?

जवाब :– उस बादशाह का नाम अबरहा था। यह वाक़्या हुजूर की पैदाइश से 55 दिन पहले का है।

67 **सवाल** :- जिस दिन हज़रत उमर को अबूलूलू ने शहीद किया उस दिन फ़ज्र की नमाज़ किसने पढ़ाई ?

जवाब :– हज़रत अबदुर्रहमान बिन औफ ने ।

68 **सवाल** :- हज़रत अ़ली का हैदर (शेर) नाम किसने रखा ?

जवाब :– आपकी वालिदा हज़रत फ़ातिमा बिन्त–ए–असद ने ।

69 **सवाल** :- उन दो नो उम्र (नई उम्र) मुजाहिदीन सहाबा के नाम बताइये। जिन्हें जंग–ए–उहुद में शामिल करने के लिए कुश्ती कराई गयी थी ?

जवाब :– (1) राफे बिंन ख़ुदैज (2) सुमरा रदियल्लाहु अन्हुमा

70 **सवाल** :- हज़रत अ़ली से नबी–ए–करीम के

क्या रिश्ते थे?

जवाब :– चचाज़ाद भाई–और–दामांद थे ।

71 **सवाल** :- हुज़ूर की सबसे प्यारी बेटी का नाम बताइये ?

जवाब :– फातिमा ज़हरा रदियल्लाहु अन्हा ।

72 **सवाल** :- हज़रत जाफ़र हज़रत अली के कौन थे ?

जवाब :– भाई थे ।

73 **सवाल** :- मदीने की जानिब सबसे पहले हिजरत किसने की?

जवाब :– हज़रत अबू सलमा रदियल्लाहु अन्हु ने ।

74 **सवाल** :- हज़रत अबूबक ने हुज़ूर की मौजूदगी में कितनी बार नामज़ पढाई ?

जवाब :– सत्तरह बार।

75 **सवाल** :- उन फ़रिश्तों के नाम बताइये जो बन्दों के अच्छे–बुरे आमाल लिखने पर मुक़र्रर हैं ?

जवाब :– किरामन–कातेबीन

76 **सवाल** :- जंग–ए–उहुद में कुफ्फ़ार का सिपहसालार (कमाण्डर) कौन था ?

जवाब :– अबू सुफयान ।

77 **सवाल** :- हज़रत उसमान किस सन् हिजरी व किस महीने में शहीद हुए ?

जवाब :– माह ज़िलहिज्जा सन् 35 हिजरी में ।

78 **सवाल** :- अपने क़याम–ए–क़ुबा के दौरान हुजूर सल्लल्लाहु अ़लैहि वसल्लम ने किसके घर को बतौर बैठक इस्तेमाल फरमाया?
जवाब :– ह़ज़रत स़ाद बिन खैसिमा रद़ियल्लाहु अन्हु के घर को।

79 **सवाल** :- किस के ईमान लाने के बाद ख़ान–ए–काबा में नमाज़ अदा की गई ?
जवाब :– ह़ज़रत उ़मर के ईमान लाने के बाद।

80 **सवाल** :- हुजूर अ़लैहिस्सलाम रिश्ते के एतबार से ह़ज़रत उ़मर के कौन थे ।
जवाब :– दामाद थे ।

81 **सवाल** :- किस मुनाफ़िक की नमाज़–ए–जनाज़ा पढ़ने के बाद ममानिअत का हुक्म आ गया?
जवाब :– अब्दुल्ला बिन उबैमुनाफिक़ की।

82 **सवाल** :- उस सहाबी–ए–रसूल का नाम बताइए जो क़ैसर के दरबार में हुजूर–ए–अकरम का मकतूब लेकर गये थे ?
जवाब :– हज़रत देहया कलबी ।

83 **सवाल** :- अबूजहल किस जंग में मारा गया ?
जवाब :– जंग–ए–बदर में ।

84 **सवाल** :- अबूजहल को किसने क़त्ल किया ?
जवाब :– दो नौ उ़म्र लड़कों "मआ़ज़" और "मऊ़ज" ने ।

85 सवाल :- ऐसे सहाबी का नाम बताइये जिनकी चौथी नस्ल तक सहाबी हुए ?

जवाब :– हज़रत अबूबक सिद्दीक़ रदियल्लाहु अन्हु ।

86 सवाल :- वह कौन दो सहाबिया थीं जिन्होंने जंग–ए–उहुद में अपने हाथों से मश्कें भर कर जख़्मियों और मुजाहेदीन को पानी पिलाया ?

जवाब :– 1 हज़रत उम्म–ए–सुलैत
2 हज़रत उम्म–उल–मोमिनीन
हज़रत आइशा रदियल्लाहु अन्हुमा ।

87 सवाल :- बैअत लेते वक्त कसम लेने का तरीक़ा सबसे पहले किसने ईजाद किया ?

जवाब :– हज़रत अमीर मआविया रदियल्लाहु अन्हु ने ।

88 सवाल :- जब हुज़ूर–ए–अकरम जंग–ए–तबूक पर तश्रीफ ले जा रहे थे तो उस दिन मदीने का इन्तिज़ाम संभालने के लिए किस को छोड़ा ?

जवाब :– हज़रते अली रदियल्लाहु अन्हु को ।

89 सवाल :- फतेह मक्का के दिन काबे की छत पर चढ़कर अज़ान किसने दी ?

जवाब :– हज़रत बिलाल रदियल्लाहु अन्हु ने ।

90 सवाल :- जंग–ए–बदर में कितने मुसलमान शहीद हुए ?

जवाब :– चौदह मुसलमान शहीद हुए ।

91 सवाल :- ज़कात किस सन् हिजरी में फ़र्ज हुई और मुसलमानऔ़रतों पर पर्दा कब फ़र्ज़ क़रार दिया गया ?

जवाब :– सन् 2 हिजरी में ज़कात फ़र्ज़ हुई और सन् 5 हिजरी में औ़रतों पर पर्दा फ़र्ज़ क़रा दिया गया ।

92 सवाल :- ह़ज़रत अबूबक सिद्दीक़ रद़ियल्लाहु अ़न्हु के विसाल के वक़्त बैतुल माल में कितना माल था ?

जवाब :– बिल्कुल ख़ाली था ।

93 सवाल :- ह़ज़रत ह़लीमा के शौहर का नाम बताइये ?

जवाब :– ह़ारिस बिन अ़ब्द–उल–उ़ज़्ज़ा ।

94 सवाल :- ह़ज़रत उ़समान ने ख़लीफ़ा हो जाने के बाद किसको सब से पहले ह़ज के लिए भेजा ?

जवाब :– ह़ज़रत अ़ब्दुरहमान बिन औ़फ़ को ।

95 सवाल :- इमाम मेंहदी रद़ियल्लाहु अ़न्हु के तशरीफ़ लाने तक ग़ौस–ए–अकबर (सबसे बड़ा ग़ौस) कौन रहेगा?

जवाब :– ह़ज़रत ग़ौस–ए–आज़म रद़ियल्लाहु अ़न्हु ।

96 सवाल :- ग़जव.ए–उहुद में हुज़ूर के कितने दाँत शहीद हुए?

जवाब :– चार ।

97 सवाल :- हुज़ूर–ए–अकरम की कितनी बेटियां थीं उनके नाम बताइये ?

जवाब :– चार, 1 ह़ज़रत ज़ैनब 2 ह़ज़रत रुक़य्या 3 ह़ज़रत उम्मे कुलसूम 4 ह़ज़रत फ़ातिमा रदियल्लाहु अन्हुनना

98 सवाल :- ह़ज़रत ऊमर ने किस के घर को मस्जिद में शामिल किया जिन्होंने अपना घर मस्जिद के नाम व़क्फ़ कर दिया?

जवाब :– ह़ज़रत अब्बास रद़ियल्लाहु अन्हु के घर को ।

99 सवाल :- हज़रत ऊमर ने ख़लीफ़ा हो जाने के ब़ाद सबसे पहले किसे हज के लिए भेजा ?

जवाब :– हज़रत अब्दुर्रहमान बिन औफ़ को ।

100 सवाल :- हज़रत आदम अ़लैहिस्सलाम की बीवी का नाम बताइये ?

जवाब :– हज़रत ह़व्वा रद़ियल्लाहु अ़न्हु ?

101 सवाल :- हज़रत ह़व्वा को अल्लाह तआ़ला ने किस चीज़ से पैदा फ़रमाया ?

जवाब :– हज़रत आदम अ़लैहिस्सलाम की बायीं पसली से।

102 सवाल :- हज़रत अ़ली के क़ातिल का नाम बताइये ?

जवाब :– अ़ब्द–उल–रहमान बिन मुल्जम

ख़ारिजी ।

103 सवाल :- सुल्तान–ए–हदीस किसे कहा जाता है ?

जवाब :– हज़रत हबू हुरैरा रदियललाहु अन्हुको।

104 सवाल :- हज़रत अबू हुरैरा का असली नाम बताइये ?

जवाब :– हज़रत अब्द–उल–रहमान ।

105 सवाल :- हज़रत अबू हुरैरा से रिवायत की हुई हदीसों की तादाद बताइये ?

जवाब :– 5374 अहादीस ।

106 सवाल :- हज़रत फ़ातिमा को गुस्ल किस किसने दिया ?

जवाब :– हज़रत असमा बिन्ते अमीस और हज़रत अली ने।

107 सवाल :- जंग–ए–बदर में काफ़िरों का सिपेहसालार (कमाण्डर) कौन था ?

जवाब :– उतबा बिन रबीआ ।

108 सवाल :- हज़रत सिद्दीक़–ए–अकबर का ताल्लुक़ किस क़बीले से था ?

जवाब :– बनूहाशिम से ।

109 सवाल :- मस्जिद–ए–नबवी जिस जगह है वह जगह किसकी थी उनके नाम बताइये?

जवाब :– दो यतीम बच्चों की जगह थी 1 सहल 2 सुहैल रदियल्लाहु अन्हुमा।

110 सवाल :- मस्जिद नबवी की दूसरी मरतबा

किसके ज़माने में वुस्अत (कुशादा) व मरम्मत की गई ?

जवाब :– हज़रत उमर रदियल्लाहु अन्हु के ज़माने में ।

111 सवाल :- हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने किस रंग के लिबास को पसन्द फ़रमाया ?

जवाब :– सफ़ेद रंग के लिबास को ।

112 सवाल :- यह किस सहाबिया का ब्यान है हुज़ूर के बारे में कि "खुदा की क़सम आपके हाथ ने बैअत के लिए किसी औरत के हाथ को नहीं छुआ सिर्फ़ कलाम हीसे बैअत फ़रमा लेते थे" ?

जवाब :– हज़रत आइशा रदियल्लाहु अन्हा का।

113 सवाल :- हज़रत हलीमा किस क़बीले और किस ख़ानदान से थीं ?

जवाब :– क़बील–ए–हवाज़िन के खानदान–ए–साद से थी।

114 सवाल :- उस जगह का नाम बताइये जहां सिद्दीक़–ए–अकबर को सांप ने डसा था ?

जवाब :– ग़ार–ए–सौर ।

115 सवाल :- जब हज़रत उमर ने इस्लाम क़बूल किया उस वक़्त मुसलमानों की तादाद क्या थी ?

जवाब :– 39 थी और हज़रत उमर चालीसं

वें मुसलमान थे ।

116 **सवाल** :- ह़ज़रत उ़समान को जिस वक़्त शहीद किया गया उस वक़्त आप क्या कर रहे थे ?

जवाब :– क़ुर्आन शरीफ़ की तिलावत (पढ़) कर रहे थे ।

117 **सवाल** :- जंग–ए–बदर में काफ़िरों के सिपहसालार (सेनापति) को किसने क़त्ल किया ?

जवाब :– ह़ज़रत अमीर हमज़ा रद़ियल्लाहु अ़न्हु ने ।

118 **सवाल** :- चार बड़े हुज़ूर के खलीफ़ाओं के नाम बताइये ?

जवाब :– 1 हज़रत अबूबक सिद्दीक़
2 हज़रत उ़मर 3 हज़रत उ़समान
4 हज़रत अ़ली रदियल्लाहु अन्हुम

119 **सवाल** :- हमारे नबी के ऐसे ख़ादिम (सेवक) का नाम बताइये जिन्होंने दस वर्ष की उ़मर से आप की ख़िदमत (सेवा) की ?

जवाब :– हज़रत अनस बिन मालिक रदियल्लाहु अन्हु ।

120 **सवाल** :- ऐसे ख़लीफ़ा का नाम बताइये जो अपनी वालिदा की ज़िन्दगी में ख़लीफ़ा हुए ?

जवाब :– हज़रत उ़समान रद़ियल्लाहु अन्हु ।

121 **सवाल** :- हमारे नबी के उन चचाओं के नाम बताइये जिन्होंने इस्लाम क़बूल किया

जवाब :– 1 हज़रत अमीर ह़मज़ा

2 हजरत अ़ब्बास रद़ियल्लाहु अन्हुमा।

122 **सवाल** :- सबसे पहले हुज़ूर ने किस सह़ाबी की नमाज़–ए–जनाज़ा पढ़ाई ?

जवाब :– असद बिन ज़ुरारा रद़ियल्लाहु अ़न्हु की ।

123 **सवाल** :- पहली वह़ी किस जगह पर नाज़िल हुई ?

जवाब :– ग़ार–ए–हिरा में ।

124 **सवाल** :- हज़रत ईसा अ़लैहिस्सलाम ने किस नाम से हुज़ूर के तशरीफ़ लाने की खुशख़बरी दी थी ?

जवाब :– अह़मद नाम से ।

125 **सवाल** :- मुसलमानों के अलावा किस क़ौम का अक़ीदा है कि क़यामत के दिन सूर फूंका जायेगा?

जवाब :– ईसाई क़ौम का ।

126 **सवाल** :- हज़रत आ़इशा की रूख़सती किस सन् हिजरी में हुई ?

जवाब :– सन् 1 हिजरी में ।

127 **सवाल** :- हमारे नबी ने ह़ज़रत ह़फ़्सा से निकाह किस सन् हिजरी में किया ?

जवाब :– सन् 3 हिजरी में ।

128 **सवाल** :- हज़रत हफ्सा (हुज़ूर की बीवी) के वालिद का नाम बताइये ?

जवाब :– हज़रत उमर रदियल्लाहु अन्हु ।

129 **सवाल** :- इसलाम का पहला मदरसा किस सहाबी के घर को कहा गया ?

जवाब :– हज़रत अरक़म रदियल्लाहु अन्हु के घर को ।

130 **सवाल** :- हमारे नबी पर मुकम्मल सबसे पहले कौन सी सूरह नाज़िल हुई ?

जवाब :– सूरए फ़ातिहा ।

131 **सवाल** :- मर्दो और औरतों में सबसे पहले कौन ईमान लाया?

जवाब :– मर्दो में हज़रत अबूबक–औरतो में हज़रत खदीजा ।

133 **सवाल** :- बच्चों और गुलामों में सबसे पहले कौन ईमान लाया?

जवाब :– बच्चों में हज़रत अली——गुलामों में ज़ैदबिनहारिस।

133 **सवाल** :- मस्जिदे नबवी की तामीर के वक़्त हुज़ूर–ए–अकरम के निकाह में कौन–कौन अज़वाज (बीवियां) थीं?

जवाब :– हज़रत सौदा और हज़रत आइशा रदियल्लाहु अन्हुमा।

134 **सवाल** :- हज़रत उसमान रदियल्लाहु अन्हु की नमाज़ जनाज़ा किसने पढ़ाई ?

जवाब :– हज़रत ज़ुबैर रदियल्लाहु अन्हु ने ।

135 **सवाल** :- यह किस बुज़ुर्ग का फ़रमान है कि "यह मेरा क़दम तमाम अल्लाह के वलीयों की गर्दन पर है" ?

जवाब :– हज़रत अब्द–उल–क़ादिर रहमतुल्ला अलैहि का।

136 **सवाल** :- हमारे नबी की उन दो साहिबज़ादियों के नाम बताइये जिनका निकाह हज़रत उसमान–ए–ग़नी से एक के बाद एक हुआ ?

जवाब :– हज़रत रूक़य्या और
हज़रत उम्मे कुलसूम रदियल्लाहु अन्हुमा।

137 **सवाल** :- हमारे नबी के अलावा किस नबी ने चालीस साल की उम्र में ऐलान–ए–नुबुव्वत फ़रमाया ?

जवाब :– हज़रत नूह अलैहिस्सलाम ने ।

138 **सवाल** :- अज़ान की तजवीज़ किसने पेश की थी ?

जवाब :– हज़रत उमर ने ।

139 **सवाल** :- सबसे पहले अज़ान किसने पढ़ी ?

जवाब :– हज़रत बिलाल ने ।

140 **सवाल** :- ख़ैबर को किसने फ़तेह किया ?

जवाब :– हज़रत अली रदियल्लाहु अन्हु ने।

141 **सवाल** :- हुज़ूर–ए–अकरम ने मदीने के

मुसलमानों की तबलीग़ के लिए सबसे पहले किसे भेजा ?

जवाब :— हज़रत मुसअ़ब बिन उमैर रदियल्लाहु अ़न्हु को ।

142 **सवाल** :- नजाशी के दरबार में सबसे पहले मुसलमानों की त़रफ से किस ने तक़रीर की थी ?

जवाब :— ह़ज़रत जाफ़र बिन अब़ी तालिब ने ।

143 **सवाल** :- ह़ज़रत अ़ली के बाद छः माह तक कौन ख़लीफा रहे ?

जवाब :— ह़ज़रत इमाम—ए—ह़सन रदियल्लाहु अ़न्हु।

144 **सवाल** :- ग़ौस—ए—पाक किस इमाम के मुक़ल्लिद थे ?

जवाब :— ह़ज़रत इमाम अह़मद बिन हंबल के ।

145 **सवाल** :- इमाम—ए—आ़ज़म का नाम व कुन्नियत बताइये ?

जवाब :— नाम—नोमान बिन साबित कुन्नियत अबू हनीफा।

146 **सवाल** :- हुज़ूर—ए—अकरम को सबसे ज़्यादा कौन सी सब्ज़ी पसन्द थी ?

जवाब :— लौकी (कद्दू) की ।

147 **सवाल** :- हुज़ूर ने सैफुल्लाह (अल्लाह की तलवार) का ख़िताब किसे दिया ?

जवाब :— ह़ज़रत ख़ालिद बिन वलीद रदियल्लाहु

अन्हु को।

148 **सवाल** :- हज़रत बिलाल ने हुज़ूर के विसाल के बाद अज़ान देना बन्द कर दी थी लेकिन बाद में दो अज़ानें किसके कहने से दीं ?

जवाब :– हज़रतउमर रदियल्लाहु अन्हु के फ़रमाने पर ।

149 **सवाल** :- जंग–ए–हुनैन का दूसरा नाम क्या है?

जवाब :– ग़ज़व–ए–हवाज़िन ।

150 **सवाल** :- यह जंग किस सन् हिजरी में हुई ?

जवाब :– सन् 8 हिजरी में ।

151 **सवाल** :- अज़ान का तरीक़ा किस सन् हिजरी में जारी हुआ?

जवाब :– सन् 2 हिजरी में ।

152 **सवाल** :- जंग–ए–बदर के क़ैदियों का फ़िदया क्या था ?

जवाब :– चार चार हज़ार दिरहम जो मुफ़्लिस थे वह बिना माल के, जो लिखना जानते थे उनका फ़िदिया अन्सार (मदीनके वह मुसलमान जिन्होंने हिजरत करने वाले मुसलमानों की मदद की थी) के दस लड़कों को लिखना सिखानामुक़र्रर था।

153 **सवाल** :- हज़रत आदम अलैहिस्सलाम को कितनी ज़बानों (बोलियों) का इल्म

था ?

जवाब :– सात लाख ज़बानों का (दुनियां में जितनी बोलियां बोली गयीं, और बोली जा रही हैं और बोली जायेंगी उन सब को हज़रत आदम जानते थे ।)

154 **सवाल** :- मदीने में सबसे पहले नाज़िल होने (उतरने) वाली सूरह का नाम बताइये?

जवाब :– सूरह बक़र ।

155 **सवाल** :- कुर्आन मजीद कितने साल की मुद्दत में नाज़िल हुआ ?

जवाब :– 23 साल की मुद्दत में ।

156 **सवाल** :- कुर्आन की वह कौन सी सूरह है जिसमें सिर्फ (केवल) एक ज़ेर आया है ?

जवाब :– सूरह इख़लास (कुलहुवल्लाह शरीफ़)

157 **सवाल** :- कुर्आन मजीद मे कितनी सूरतें हैं ?

जवाब :– 114 सूरतें है।

158 **सवाल** :- कुर्आन मजीद मे कितनी बार तस्मीया (बिस्मिल्ला) लिखी हुई है ?

जवाब :– 114 बार।

159 **सवाल** :- उस औ़रत का नाम बताईये जो हुज़ूर की बालिदा के इन्तिक़ाल के बाद आपको मक्का लेकर आयीं?

जवाब :– हज़रत उम्म–ए–ऐमन रदि़यल्लाहु अ़न्हा ।

160 **सवाल**:- हज़रत उ़मर रदि़यल्लाहु अ़न्हु की

नमाज–ए–जनाज़ा किसने पढ़ाई ?

जवाब :– हज़रत सुहैब–ए–रूमी रदियल्लाहु अन्हु ने ।

161 **सवाल** :- हुज़ूर–ए–अकरम की ख़बरे विसाल सुनकर जिस सहाबी का हार्टफेल हो गया था उनका नाम बताइये?

जवाब :– हज़रत अब्दुल्लाह बिन उनैस रदियल्लाहु अन्हु ।

162 **सवाल** :- हुज़ूर–ए–अकरम ने सुलह हुदैबिया के मौके पर मक्के के काफ़िरों की तरफ़ किस को सफ़ीर बनाकर भेजा?

जवाब :– हज़रत उसमान–ए–ग़नी रदियल्लाहु तआला अन्हु को ।

163 **सवाल** :- सबसे पहले अज़ान से मुतल्लिक़ (सम्बन्धित) अपना ख़्वाब हूज़ूर से किसने बयान किया ?

जवाब :– हज़रत अब्दुल्लाह बिन ज़ैद रदियल्लाहु अन्हु ने।

164 **सवाल** :- सलमान फ़ारसी किस सन् हिजरी में मुसलमान हुए ?

जवाब :– सन् 2 हिजरी में ।

165 **सवाल** :- हज़रत अबूबक रदियल्लाहु अन्हु के बैत–उल–माल (कोषागार) के मुन्तज़िम व मुहतमिम कौन थे ?

जवाब :– हज़रत अबू उबैदा इब्ने जर्राह

रद़ियल्लाहु अ़न्हु।

166 सवाल :- म़काम–ए–ख़ैबर की उस औ़रत का नाम बताईये जिसने हुज़ूर–ए–अकरम को ज़हर दिया था ?

जवाब :– जैनब बिन्त–ए–हारिस ।

167 सवाल :- हुज़ूर–ए–अकरम के चचा ह़ज़रत अब्बास की नमाज़–ए–जनाज़ा किसने पढ़ाई ?

जवाब :– हज़रत उ़समान–ए–गनी रद़ियल्लाहु अ़न्हु ने।

168 सवाल :- किस सन् हिजरी में ह़ज़रत उ़मर ने लोगों को जमाअ़त के साथ तरावीह की नमाज़ पढ़ाई ?

जवाब :– सन् 14 हिजरी में ।

169 सवाल :- हुज़ूर सल्लाल्लाहु अ़लैहि वसल्लम के हिजरत फ़रमाने के बाद उस रात आप के बिस्तर पर कौन सोया ?

जवाब :– हज़रत अ़ली रदियल्लाहु अन्हु।

170 सवाल :- हज़रत उसमान को जुन्नूरैन (दो नूर वाला) क्यो कहा जाता है ?

जवाब :– इसलिए कि हुज़ूर की दो साहबज़ादियाँ एक के बाद दूसरी निकाह़ में आयीं।

171 सवाल :- सबसे ज्यादा मालदार सहाबी का नाम बताईये ?

जवाब :– ह़ज़रत अबूबक सिद्दीक़ रद़ियल्लाहु

अन्हु ।

172 **सवाल** :- हज़रत अमीर हमज़ा हुज़ूर के कौन थे ?

जवाब :– आपके चचा थे ।

173 **सवाल** :- इन को किस जंग में और किसने शहीद किया ?

जवाब :– जंग–ए–उहुद में हज़रत वहशी ने ।

174 **सवाल** :- रात के वक़्त हुज़ूर कितनी बार मिसवाक करते थे?

जवाब :– तीन बार 1 सोते वक़्त 2 तहज़्जुद के वक़्त 3 फज्र की नमाज़ के वक़्त ।

175 **सवाल** :- किस शख्स को सदक़ा देने में एक के बदले सात सौ का सवाब है ?

जवाब :– तालिब–ए–इल्म को ।

176 **सवाल** :- उन पांच लोगों के नाम बताइये जिन को हुज़ूर ने खुद क़ब्र में उतारा ?

जवाब :– 1 हज़रत ख़दीजा 2 इन का एक लड़का 3 हज़रत आइशा की वालिदा उम्म–ए–रूमान 4 अ़ब्दुल्लाह मुज़नी 5 हज़रत फातिमा बिन्ते असद।

177 **सवाल** :- सबसे पहले बैठकर खुतबा किसने और क्यों किया?

जवाब :– हज़रत अमीर मआविया ने इस लिए कि आप बहुत लहीम शहीम थे (मोटे जिस्म वाले) थे ।

178 सवाल :- सबसे पहले क़ुर्आन हिफ़्ज़ (मौखिक याद होना) करने वाले का नाम बताईये?

जवाब :— हज़रत उसमान रदियल्लाहु अन्हु ।

179 सवाल :- सबसे पहले ईद की नमाज़ से क़ब्ल (पहले) खुतबा किसने दिया ?

जवाब :— हज़रत अमीर मआविया रदियल्लाहु अन्हु ने ।

180 सवाल :- हज़रत उमर ने किसी को ख़लीफ़ा नामज़द नहीं फ़रमाया मगर जब सहाब–ए–इकराम ने राये जानना चाही तो हज़रत उमर ने कितने सहाबा के नाम बताये ?

जवाब :— छः 1 हज़रत उसमान 2 हज़रत अली
3 हज़रत तलहा 4 हज़रत जुबैर
5 हज़रत अब्द–उल–रहमान
6 हज़रत साद बिन अबी वक्क़ास रदियल्लाहु अन्हुम अजमईन

नोट :- हज़रत उमर ने अपना जानशीन (उत्तराधिकारी) मुन्तख़ब नहीं फ़रमाया और लोगों ने राय जानना चाही तो छः लोगों के नाम बता दिये मगर अपने बेटे या किसी क़रीबी रिश्तेदार का नाम पेश नहीं किया । मगर आज के दौरे पुर फ़ितन में जोहला पीर अपने ही बेटे को जानशीन बनाते हैं । चाहे उसका बेटा कैसा ही क्यों नहो अपनी जवानी के दिन कैसी ही रंगीनियों में क्यों न गुज़ारे हों उन

को अपना जानशीन मुन्तख़ब कर देते हैं जो क़ौम को ठीक रास्ता दिखाने के बजाए गड्ढे में ढकेलते हैं और कौम पर बोझ बन जाते हैं ग़रीबों का खून चूसते हैं । ऐसे जोहला (अनपढ़) व बेअ़मल पीर ह़ज़रत उ़मर के किरदार से सबक़ ह़ासिल कर सकते हैं मगर उनकी अक़्लों पर पर्दे पड़ चुके हैं वह क्या सबक़ हासिल करेंगे उन्हें तो क़ौम का पैसा चाहिए और वह उस पैसे को अपने वारिस ही को देना चाहेंगे । दावा तो यह करते हैं कि हम शरीअ़त के बहुत बड़े अलिम व आमिल हैं । लेकिन सच तो यह है कि जो बुज़ुर्गों के तरीक़े को पीठ के पीछे डाल दे वह सबसे बड़ा जाहिल है ।

181 सवाल :- हुज़ूर की साहबज़ादी ह़ज़रत रुक़य्या के कितनी औलादें हुई उनके नाम बताईये ?

जवाब :– सिर्फ़ एक, ह़ज़रत अब्दुल्लाह ।

182 सवाल :- हमारे नबी ने किस सह़ाबी को हवारी (मदद्गार) का ख़िताब दिया ?

जवाब :– ह़ज़रत ज़ुबैर इब्न–ए–अ़वाम को ।

183 सवाल :- ह़जरत ज़ुबैर को हवारी का ख़िताब क्यों दिया ?

जवाब :– इसलिए कि जंग–ए–ख़न्दक के मौक़े पर हुज़ूर–ए–अकरम ने तीन बार इरशाद फ़रमाया कि कौन है जो कौम–ए–कुफ़्फ़ार की ख़बर लाये तो तीनो बार पर ह़ज़रत ज़ुबैर ने अर्ज किया कि "या रसुलल्लाह मैं" इस पर हुज़ूर ने ह़वारी का ख़िताब दिया।

दीनी मालूमात का अनमोल ज़ख़ीरा

इस्लामी

मालूमात -ए- आम्मा

हिस्सा दोम

मुअल्लिफ़

मौलाना मुहम्मद अमीनुल क़ादरी बरेलवी

नाशिर

क़ादिरी दारूल इशाअत

शहबाज़पुर पोस्ट [illegible] बरेली

क़ादरी दारूल इशाअ़त
दिल्ली –53
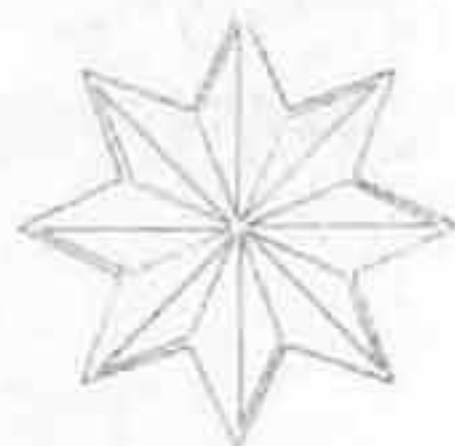
राब्ते का पता :–

क़ादरी दारूल इशाअ़त

मुस्तफ़ा मस्जिद वैलकम दिल्ली–53

फोन न0: 2823857

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

सवाल नं. 1 :– हमारे नबी के वालिद का विसाल कहाँ और किस कबीले में हुआ ?

जवाब :– मदीने शरीफ में —— कबीलए बनी अददी बिन नज्जार में।

सवाल न. 2 :– विसाल के वक्त हमारे नबी के वालिद की क्या उम्र थी ?

जवाब :– 25 साल।

सवाल न. 3 :–हजरत अबदुल्लाह कहाँ दफ्न हुए ?

जवाब :– मक़ामे अब्वा पर।

सवाल न. 4 :– हुज़ूरे अकरम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के परदादा का का असली नाम बताईये और उन्हें हाशिम क्यूँ कहते थे।

जवाब :– " अम्र " यह बहुत बहादुर और बेहद सखी थे। एक साल अरब में सख़्त क़हत पड़ गया तो यह मुल्के शाम से रोटियों का चूरा ख़रीद कर मक्का पहुँचे और रोटियों का चूरा करके ऊँट के गोश्त में सरीद (शोरबे में मिला हुआ चूरा) बनाकर तमाम हाजियों को पेट भर कर खिलाया। उस दिन से लोग आपको हाशिम (रोटियों का चूरा करने वाला) कहने लगे।

सवाल न. 5 :– जिस वक़्त हमारे नबी ने बैत –ए– रिजवान ली उस वक्त आप किस दरख़्त के नीचे तशरीफ फरमा थे ?

जवाब :– बबूल के दरख़्त के नीचे।

सवाल न. 6 :– हजरते आमिना जब हुजूर-ए-अकरम सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम को मदीना लेकर गईं उस वक्त हमारे नबी की क्या उम्र थी।

जवाब :– 6 साल।

सवाल न. 7 :– उस वक्त हजरते आमिना रदियल्लाहु तआला अन्हा ने किस खानदान में क़याम फ़रमाया ?

जवाब :– बनू नज्जार के खानदान में।

सवाल न. 8 :– हज़रते आमिना रदियल्लाहु तआला अन्हा ने मदीने शरीफ में कितने दिन कयाम फ़रमाया ?

जवाब :– एक महीने तक।

सवाल न. 9 :– हजरते आमिना रदियल्लाहु तआला अन्हा का इन्तिकाल कहाँ और कितने साल की उम्र में हुआ ?

जवाब :– मदीने शरीफ में —— तीस साल की उम्र में।

सवाल न. 10 :– " गमगीन न हो अल्लाह हमारे साथ है " यह अल्फाज़ हमारे नबी ने कहाँ और किससे इरशाद फरमाये ?

जवाब :– ग़ार –ए– हिरा मे —— हजरते अबूबक्र रदियल्लाहु अन्हु से।

सवाल न. 11 :– जिस वक्त आप बनी कुरैज़ा से जंग करने के लिए तशरीफ ले जा रहे थे उस वक्त आप किस घोडे पर सवार थे उसका नाम क्या था ?

जवाब :– लुहैफ़।

सवाल न. **12** :– जिस वक्त क़िब्ला बदलने का हुक्म आया उस वक़्त आप किस कबीले की मस्जिद में नमाज पढ रहे थे ?

जवाब :– कबीला बनी सलम की मस्जिद में।

सवाल न. 13 :– किब्ला बदलने का जब हुक्म आया उस वक़्त हुज़ूर सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम कौन सी नमाज़ पढा रहे थे।

जवाब :– ज़ुहर की नमाज।

सवाल न. 14 :–जब हमारे नबी हजरते खदीजा का तिजारत का सामान मुल्के शाम को लेकर गए उस वक़्त हज़रते खदीजा ने किस किस को भेजा।

जवाब :– अपन ग़ुलाम मैसिरा और अपने रिश्तेदार ख़ज़ीमा को।

सवाल न.15 :– यह सफर आपने कितने साल की उम्र में किया ?

जवाब :– **25** साल की उम्र में।

सवाल न. 16:- **इस सफर से वापसी पर आपने कौन सा काम**

अन्जाम दिया ?

जवाब :– आपने हजरते खदीजा रदियल्लाहु अन्हा से शादी की। याद रहे शादी के वक्त हमारे नबी की उम्र 25 साल और हजरते ख़दीजा की उम्र 40 साल थी।

सवाल न. 17 :– सन् आठ हिजरी में हमारे नबी ने हजरते ज़ैद बिन हारिसा को सिपेहसालार बनाकर मुल्के शाम के लिए रवाना फ़रमाया था। उस लश्करे इसलाम की तादाद बताईये और कुफ़्फ़ार के लश्कर की भी तादाद बताईये ?

जवाब :– तीन हज़ार मुसलमानों का लश्कर था और एक लाख कुफ़्फ़ार के लश्कर की तादाद थी।

सवाल न. 18 :–हुज़ूरे अकरम सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम का सीना कितनी बार और कब चाक किया गया ?

जवाब :– चार बार चाक किया गया। पहली बार जब आप का क़याम हज़रते हलीमा के यहाँ था आपका सीनए मुबारक चाक हुआ ताकि आप बचपन के बुरे ख़्यालात व वसवसों से पाक रहें जिसमें पड़कर बच्चे शरारत करते हैं। दूसरी बार इसलिए किया गया कि आप जवानी की पुरआशोब शहवतों के ख़तरात से बेख़ौफ़ हो जायें। तीसरी बार इसलिए किया गया कि आप अल्लाह की वही के बोझ को उठा सकें। चौथी बार इसलिए किया गया कि आप के सीने में इतनी वुसअत व फ़राख़ी पैदा हो पाए कि दीदारे इलाही की अजमतों और अल्लाह के कलाम की हैबतों और अज़मतों के मुतहम्मिल हो जायें।

सवाल न. 19 :– हमारे नबी के वालिदे माजिद जनाब अब्दुल्लाह को अल्लाह तआला की राह में क़ुर्बान करने के बदले जब ऊँटों की तादाद के लिए कुर्आ अन्दाजी की गई तो कितने ऊँटों पर कुर्आ निकला था ?

जवाब :– सौ ऊँटों पर।

सवाल न. 20:- जब ग़ारे हिरा में हमारे नबी के पास जिब्री

अलैहिस्सलाम आए कौन सा दिन और क्या तारीख़ थी।

जवाब :– 12 रबीउल अव्वल पीर का दिन।

सवाल न. 21 :– दारूल नदवा में जब काफिर हुज़ूर –ए– अकरम के खिलाफ मिटिंग कर रहे थे तो आपको कत्ल करने का मश्वरा किसने दिया और उसकी पुरजोर ताईद करने वाला कौन था ?

जवाब :– अबूजहल ने मश्वरा दिया और ताईद करने वाला शैख़ नजदी (शैतान) था।

सवाल न. 22 :– हिजरत के बाद जब आप मदीनए शरीफ आए तो अल्लाह के हुक्म से कितने महीने तक बैतुलमुकद्दस की तरफ नमाज़ पढी ?

जवाब :– सोलह या सत्रह महीने तक।

सवाल न. 23 :–हमारे नबी के दादा अब्दुल मुत्तलिब को शैबा क्यूँ कहा जाता है ?

जवाब :– उनके सर पर कुछ पैदाइशी सफेद बाल थे इसलिए उन्हें शैबा कहा जाता है। (शैबा बूढ़े को कहते हैं)

सवाल न. 24 :– सकीफ कबीले का सबसे पहला शख़्स जो इसलाम की तालीम हासिल करने के लिए हमारे नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की खिदमत में आया था उसका नाम क्या था ?

जवाब :– दरवाह बिन मसऊद सकफी था जो अपनी कौम का सरदार था।

सवाल न. 25 :– हिजरत के बाद हमारे नबी ने सहाबा को एक दूसरे का भाई बनाया था। चारों .खुलफा को किस किस का भाई बनाया था ?

जवाब :– हजरते अबूबक्र को खारिजा बिन जैद का।

हजरते उमर को उतबान बिन मालिक का।

हजरते उसमान को औस बिन मालिका का।

हजरते अली को महम्मदरेसलल्लाह का।

सवाल न. 26:- **हज़रते अमीर हमज़ा रदियल्लाहु अन्हु हमारे नबी के**

चचा थे, सहाबी और रजाई भाई भी थे चौथा रिश्ता बताईये ?

जवाब :– ख़ालाज़ाद भाई भी थे।

सवाल न. 27 :– हमारे नबी ने अपनी सख़्त बीमारी की हालत में किसे नमाज पढ़ाने का हुक्म दिया था ?

जवाब :– हज़रते अबूबक्र सिद्दीक रदियल्लाहु तआला अन्हु को।

सवाल न. 28 :– हुज़ूर –ए– अकरम ने आमुलहुज़्न (ग़म का साल नाम किस सन् नबवी का रखा और क्यूँ ?

जवाब :– सन् दस नबवी का ––– क्यूँकि इस साल में आपके दो जॉनिसारों अबू तालिब और हजरते खदीजा का इन्तेकाल हुआ।

सवाल न. 29 :– जंगे उहद के मौके पर हुज़ूर –ए– अकरम ने ये अलफ़ाज़ किससे फरमाए " तीर बरसाते जाओ तुम पर मेरे माँ बाप क़ुरबान " ?

जवाब :– हजरते साद बिन अबी वक्कास रदियल्लाहु अन्हु से।

सवाल न. 30 :– इस जंग से पहले कुफ़्फ़ार के लश्कर की खबर लाने के लिए किस किस को भेजा गया ?

जवाब :– हजरते अदी बिन .फुज़ाला के दोनों साहबज़ादे हज़रते अनस और हजरते मोनिस को।

सवाल न. 31 :– इन दोनों ने आकर क्या खबर दी ?

जवाब :– इन्होंने खबर दी कि अबू सुफयान का लश्कर मदीने के बहुत करीब आ गया है।

सवाल न. 32 :– अबू तालिब के इन्तेकाल के वक्त रसूल –ए– अकरम सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम की क्या उम्र थी ?

जवाब :– 49 साल 8 महीने 11 दिन (तकरीबन पचास साल)

सवाल न. 33 :– रसूल –ए– अकरम सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम ने सिरके को किसके यहाँ बेहतरीन सालन फरमाया ?

जवाब :– उम्मेहानी के यहाँ।

सवाल न. 34:- जब रसुले-ए-अकरम सल्लल्लाहु तआला अलैहि

वसल्लम ने सहाबा के दरमियान भाई होने का रिश्ता काइम फरमाया उस वक्त कितने सहाबा मौजूद थे ?

जवाब – कुल नब्बे लोग थे।

सवाल न. 35 :– हजूर –ए– अकरम सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम ने किस मुआहिदे के बारे में कहा था कि " अगर इस मुआहिदे के बदले मुझे सुर्ख ऊँट दिए जाते तो भी न लेता और आज भी ऐसे मुआहिदे के लिए कोई मुझे बलाए तो मैं हाजिर हूँ।"

जवाब :– जंगे .फुज्जार के बाद होने वाले मुआहिदे हिल्फ़ुल .फुज़ूल के बारे में।

सवाल न. 36 :–हजरत अबूबक्र सिद्दीक हुजूर –ए– अकरम के सुसर और सहाबी थे, इनके अलावा हजूर से आपका क्या रिश्ता था ?

जवाब :– साढू का रिश्ता।

सवाल न. 37 :– हुजूर –ए– अकरम सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम ने अपना आखिरी हज किस सन् हिजरी में अदा फ़रमाया और आप जिस ऊँटनी पर सवार थे उसका क्या नाम था ?

जवाब :– सन् दस हिजरी में फरमाया —– ऊँटनी का नाम क़स्वा या अस्वा था।

सवाल न. 38 :– रसूल –ए– अकरम सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम ने अपनी बीमारी की हालत में अपनी कौन सी बेटी को याद फरमाया और उनके कान में धीरे से क्या कहा कि एक बार आप हंसने लगीं और एक बार आप रोने लगीं ?

जवाब :– अपनी प्यारी बेटी हजरते फातिमा रदियल्लाहु तआला अन्हा को याद फरमाया। एक बार कान में उनसे धीरे से कहा कि बेटी अब मेरी रूखसती का वक़्त आ गया है और दूसरी बार कहा कि मुझसे सबसे पहले तुम आकर मिलोगी।

सवाल न. 39:- दरियांए नील के लिए हजरते उमर ने जो खत

लिखा था उस खत को दरिया में डालने के बाद दरियाए नील पहले से कितने गज ऊपर चढकर बहने लगा था ?

जवाब :– 16 गज़।

नोट :– जब हजरते उमर के ज़माने में मिस्र फ़तेह हुआ और अम्र बिन आस ने इसलामी परचम मिस्र में लहराया —— उस ज़माने में दरियाए नील हर साल ख़ुश्क हो जाता था और वहाँ के लोग एक कुवाँरी लड़की को दुल्हन बनाकर उस दरिया में भेंट चढ़ा दिया करते थे और दरिया पहले की तरह बहने लगता था लेकिन अम्र बिन आस ने जब इस रस्म को सुना तब लोगों को रोका और फरमाया कि यह ग़ैर इसलामी है। लोगों ने कहा कि फिर यह .खुश्क दरिया किस तरह बहे। तब हज़रते अम्र बिन आस ने अमीरूल मोमिनीन हजरते उमर के पास खत लिखा कि ऐसी सूरत में मुझे क्या करना चाहिए। हज़रते उमर ने सख्ती के साथ इस गैर इसलामी रस्म को रोकने के लिए लिखा और साथ ही साथ एक रूक्का लिखा और खत में लिख दिया कि इस रूक्के को दरियाए नील में डाल देना जैसे ही वह खत दरियाए में डाला तो दरियाए नील पहले से सोलह गज़ ऊपर बहने लगा।

इस वाकिए से हमें यह पता चलता है कि ग़ैर इसलामी रस्म को अदा करने से कितना ही बड़ा फायदा क्यूँ न हो हमे उस पर अमल नहीं करना चाहिए। आज के दौर के लोगों को इससे सबक़ लेना चाहिए।

सवाल न. 40 :– हुज़ूर सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने सोने की अगूँठी किसके लिए जाएज़ फरमाई ?

जवाब :– बर्रा बिन आज़िब रदियल्लाहु तआला अन्हु के लिए।

सवाल न. 41 :– जंगे उहद के मौके पर रसूल –ए– अकरम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के चेहर सेजो .खून निकला था वह किस सहाबी ने चूस चूस कर पीं लिया था?

जवाब :– हजरते मालिक बिन सिनान ने ––– रसूल –ए– अकरम ने फरमाया कि जिसने मेरा खून पी लिया जहन्नम की क्या मजाल जो उसे छू सके।

सवाल न. 42 :–हजरते कतादा बिन नौमान रदियल्लाहु तआला अन्हु जंगे उहद मे हुजूर –ए– अकरम के चेहरे को बचाने के लिए अपना चेहरा दुश्मनों के सामने किए हुए थे। दुश्मन का एक तीर उनकी आँख में लगने से उनकी आँख बहकर रूखसार में आ गई फिर हुज़ूर ने क्या किया ?

जवाब :– हुजूर –ए– अकरम ने उनकी आँख को उनके हल्के में रख दिया और दुआ फरमाई कि या अल्लाह कतादा की आँख को बचा ले जिसने तेरे रसूल के चेहरे को बचाया। मशहूर है कि उनकी वह आँख दूसरी आँख से ज़्यादा रौशन हो गई।

सवाल न. 43 :– शबे मेराज के सफर पर हजरते जिब्रील ने किन किन चीजों से भरे हुए कितने प्याले पेश किए और रसूलुल्लाह ने किस चीज से भरे प्याले को कबूल फरमाया ?

जवाब :– दो प्याले ––– एक शराब और दूसरा दूध से भरा हुआ था। रसूलुल्लाह ने दूध से भरा प्याला कबूल फरमाया।

सवाल न. 44 :– वलीउलअर्द (जिसको जमीन निगल गई) किसका लकब है और क्यूँ ?

जवाब :– हजरते ख़ुबैब रदियल्लाहु तआला अन्हु का ––– कुफ्फारे मक्का ने आपको कत्ल करके सूली पर चढ़ा दिया था। हुज़ूर –ए– अकरम को वही के जरिए इत्तेला हुई तो आपने फ़रमाया कि जो शख्स खुबैब की लाश उतार लाएगा उसके लिए जन्नत है। यह सुनकर हजरते ज़ुबैर बिन अवाम और हज़रते मिक़दाद बिन असवद रदियल्लाहु अन्हुमा फ़ौरन [illegible] पहुँचे। चालीस कुफ्फार सूली के पहरेदार बनकर सो रहे थे। उन्हों ने लाश को उतारा और घोड़े पर

रख कर चल दिया। चालीस दिन के बाद भी लाश तरोताज़ा थी और ज़ख़्मो से ताज़ा खून टपक रहा था। सुबह को सत्तर कुफ्फारे .कुरैश तेज़ रफ़्तार घोड़ों पर पीछा करने के लिए चल पड़े और उन दोनों हज़रात के पास पहुँच गए। उन हजरात ने जब देखा कि कुफ्फार करीब आ गए हैं और वह गिरफ्तार कर लिए जायेंगे तब उन्होंने हजरते .खुबैब रदियल्लाहु अन्हु की लाश मुबारक को ज़मीन पर रख दिया। .खुदा की शान कि ज़मीन फट गई और लाश मुबारक को निगल गई और जमीन फ़टने का निशान भी बाकी न रहा। इसलिए हजरते .खुबैब को बलीउलअर्द कहते हैं।

सवाल न. 45 :– उमैर बिन वहब के इसलाम लाने का सबब क्या था ?

जवाब :– सफवान और उमैर मक्के से दूर सूनसान वादी में जाकर हुज़ूर –ए– अकरम के ख़िलाफ बातें कर रहे थे और कह रहे कि अगर मुझ पर कर्ज़ न होता जिसे मैं अदा नहीं कर सकता और मुझे अपने घर वालों के बेकस रह जाने का ख्याल न होता तो मैं मुहम्मद को क़त्ल करके ही आता। सफवान ने उमैर से कहा कि मैं तुम्हारे क़र्ज़ को अपने ज़िम्मे लेता हूँ और ज़िन्दगी भर कुन्बे का ख़र्च देने का वायदा करता हूँ। उमर ने कहा कि बेहतर है कि यह भेद किसी पर न खुले। उमैर मदीना पहुँचा। ऊँट के बिठाते वक्त ऊँट बोल पड़ा। हज़रते उमर ने हुज़ूर से अर्ज़ की कि उमैर मुसल्लह (हथियारों के साथ) चला आ रहा है नबीए करीम ने फरमाया उसे मेरे पास आने दो। हजरते उमर रदियल्लाहु अन्हु ने उसकी तलवार पर कब्जा कर लिया और उसकी गर्दन पकड़ कर हुज़ूर के पास ले गए। नबीए करीम ने फरमाया इसे छोड़ दो फिर रसूल –ए– अकरम ने दरयाफ्त फरमाया उमैर किस तरह आए हो। उमैर ने कहा अपने बेटे की ख़बर लेने आया हूँ। रसूल –ए– अकरम ने पूछा यह तलवार कैसी है तो उमैर ने जवाब दिया कि यह क्या तलवार है हमारी तलवारों ने पहले भी

आपका क्या बिगाड़ा है। हुज़ूर ने फ़रमाया सच सच बताओ। उमैर ने फिर वही बात दोहराई तो हुज़ूर –ए– अकरम ने वह पूरा वाकिया दोहरा दिया जो सफ़वान के साथ बातें हुई थीं। यह सुनकर हज़रते उमैर रदियल्लाहु तआला अन्हु ईमान ले आए।

सवाल न. 46 :– मुसैलिमा कज़्ज़ाब को किसने क़त्ल किया था। उसको क़त्ल करने के लिए जो लश्कर गया था उसका सिपेहसालार कौन था ?

जवाब :– हज़रते वहशी रदियल्लाहु तआला अन्हु ––– सिपेहसालार हज़रते खालिद बिन वलीद रदियल्लाहु तआला अन्हु थे।

सवाल न. 47 :– मुसैलिमा कज़्ज़ाब की उम्र कितनी हुई ?

जवाब :– 150 साल।

सवाल न. 48 :– उस शख़्स का नाम बताईये जो यमन से मक्का आया और कहा कि हुज़ूर पर जिन्नात का असर है मैं इसका इलाज करूँगा मगर हुज़ूर ने उसके कुफ्र का इलाज कर दिया ?

जवाब :– हज़रते ज़िम्माद इज़्दी रदियल्लाहु तआला अन्हु।

सवाल न. 49 :– जंगे ख़ैबर के मौके पर नबीए करीम सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम ने किसकी शहादत पर फ़रमाया " इसने बहुत कम अमल किया और बहुत ज़्यादा अज्र दिया गया "

जवाब :– हज़रते असवद राई रदियल्लाहु तआला अन्हु।

सवाल न. 50 :– एक बार हज़रते जिब्रील अलैहिस्सलाम हुज़ूर की बारगाह में हाजिर हुए। ऐसे में रसूल की बीवी खाना लेकर आईं तब जिब्रील अलैहिस्सलाम ने अर्ज़ किया आका जब यह आपके पास आ जायें तो उससे मेरा और मेरे परवरदिगार का सलाम कह दें और उनको यह .खुशखबरी दें कि जन्नत में उनके लिए मोतियों का घर बनाया गया है। वह हुज़ूर की कौन सी बीवी थीं ?

जवाब :– हज़रते ख़दीजा रदियल्लाहु तआला अन्हा।

सवाल न. 51:- जंगे उहद के मौके पर काफ़िरों के लश्कर की

तरफ से कौन पहले निकला और क्यूँ ?

जवाब :- " अबू आमिर औसी " यह मदीने का रहने वाला था। उसकी पारसाई (पवित्रता) की बिना पर लोग उसे राहिब कहते थे मगर हुज़ूर ने उसका लक़ब फासिक रखा था। यह समझा कि मेरी क़ौम मुझे देखकर मुहम्मद का साथ छोड़ देगी।

सवाल न. 52 :- फतह मक्का के दिन जो चार लोग मक्के से भाग गए थे उनके नाम बताईये ?

जवाब :- 1- इकरिमा बिन अबू जहल 2- सफ़वान बिन उमय्या 3- काअब बिन जहीर 4- वहशी।

सवाल न. 53 :- ऐसे सहाबी का नाम बताईये जो हुज़ूर के हमशक्ल थे ?

जवाब :- हज़रत मुसअब बिन उमैर रदियल्लाहु तआला अन्हु।

सवाल न. 54 :- हुज़ूर के ऐसे चचा का नाम बताईये जिन्होंने मुसलमान न होते हुए भी हुज़ूर की मदद की ?

जवाब :- अबू तालिब।

सवाल न. 55 :- मेराज की रात मस्जिदे अक़्सा में मुअज़्ज़िन के फ़राइज़ किसने अंजाम दिए ?

जवाब :- हज़रते जिब्रील अलैहिस्सलाम ने।

सवाल न. 56 :- फतह मक्का के दिन हुज़ूर किस किस को अपने साथ लेकर काबे में दाख़िल हुए ?

जवाब :- 1- हज़रते उसामा बिन ज़ैद 2- हज़रते बिलाल 3- हज़रते उसमान बिन तलहा अजबी रदियल्लाहु तआला अन्हुम को।

सवाल न. 57 :- हज़रते अबूबक्र सिद्दीक रदियल्लाहु तआला अन्हु का इसलाम लाने से पहले और इसलाम लाने के बाद क्या नाम था ?

जवाब :- इसलाम लाने से पहले " अब्दुल उज़्ज़ा " और इसलाम लाने के बाद नबीए करीम अलैहिस्सलाम ने अब्दुल्लाह नाम रखा।

सवाल न. 58:- उन सहाबी का नाम बताईये जिन्होंने रसूल-ए-

अकरम से किसास (बदला) तलब किया ?

जवाब :– हजरते सिवाद रदियल्लाहु तआला अन्हु।

सवाल न. 59 :– ख़ानए काबा की बुनियाद सबसे पहले किस शख्स ने रखी थी ?

जवाब :– दुनिया के सबसे पहले इन्सान हजरते आदम अलैहिस्सलाम ने।

सवाल न. 60 :– सद्कए फित्र अदा करने का हुक्म किस सन् हिजरी में जारी हुआ ?

जवाब :– सन् दो हिजरी में।

सवाल न. 61 :– सबसे अफजल पैगम्बर का नाम बताईये ?

जवाब :– हजरत मुहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम।

सवाल न. 62 :– जो शख्स जन्नत में जाएगा उसकी लम्बाई कितनी होगी

जवाब :– उसकी लम्बाई साठ गज़ होगी।

सवाल न. 63 :– इसलाम का पुराना नाम बताईये ?

जवाब :– इसलाम का पुराना [illegible]– हनीफ़ है।

सवाल न. 64 :– रोज़े कब फ़र्ज़ हुए ?

जवाब :– दस शाबान सन् दो हिजरी में।

सवाल न. 65 :– हज़रते दाऊद अलैहिस्सलाम के उन साहबज़ादे का नाम बताईये जो हमारे नबी हुए ?

जवाब :– हज़रत सुलेमान अलैहिस्सलाम।

सवाल न. 66 :– ग़ुस्ल के फराइज कितने हैं और क्या-क्या हैं ?

जवाब :– ग़ुस्ल के फराइज तीन हैं। 1– कुल्ली करना 2– नाक में पानी डालना 3– सारे बदन पर पानी बहाना।

सवाल न. 67 :– वुज़ू के कितने फराइज़ हैं और क्या-क्या हैं ?

जवाब :– 'चार' 1: चेहरे का धोना 2: कोहनियों समेत दोनों हाथों का धोना 3: चौथाई सर का मसा करना 4: टखनों समेत पैर धोना।

सवाल न. 68:- चार मशहूर फ़रिशतों के नाम बताईये?

जवाब :– 1: हजरते जिब्रील 2: हजते मीकाईल 3: हजरते इजराईल 4: हजरते इस्राफील अलैहिमुस्सलाम।

सवाल न. 69 :– हजरते ईसा अलैहिस्सलाम की वालिदा का नाम बताईये ?

जवाब :– हजरते मरयम रदियल्लाहु तआला अन्हा।

सवाल न. 70 :– चार मशहूर आसमानी किताबों के नाम बताईये ?

जवाब :– 1: इंजील 2: ज़ुबूर 3: तौरात 4: क़ुरआन मजीद।

सवाल न. 71 :– तयम्मुम की आयत किस सन् हिजरी में नाज़िल हुई ?

जवाब :– सन् पाँच हिजरी में।

सवाल न. 72 :– इसलाम के अरकान कितने हैं और क्या क्या है ?

जवाब :– इसलाम के अरकान पाँच है। 1: तौहीद 2: नमाज 3: रोज़ा 4: ज़कात 5: हज।

सवाल न. 73 :– इसलामी महीनों के नाम बताईये ?

जवाब :– 1: मुहर्रम 2: सफर 3: रबी –उल– अव्वल 4: रबी उस्सानी 5: जमादी –उल– अव्वल 6: जमादी उस्सानी 7: रजब 8: शाबान 9: रमजान 10: शव्वाल 11: जीकादा 12: जिलहिज्जा।

सवाल न. 74 :– बदन की जकात किसे कहते हैं।

जवाब :– रोज़ा रखने को।

सवाल न. 75 :– ऐसे शख्स का नाम बताईये जिसका पहले खानदान न था ?

जवाब :– हजरते आदम अलैहिस्सलाम।

सवाल न. 76 :– कब्र में जो फरिश्ते सवाल करते है उनके नाम बताईये

जवाब :– 1– मुन्कर 2– नकीर।

सवाल न. 77 :– चार बड़े इमामों के नाम बताईये ?

जवाब :– 1: हजरत इमामे आजम 2: हज़रत इमाम शाफई 3: हजरत

इमाम मालिक 4: हजरते इमाम अहमद बिन हंबल रदियल्लाहु अन्हुम।

सवाल न. 78:– नज्जार की लड़ाई किस किस ख़ानदान के दरमियान हुई ?

जवाब :– .कुरैश और कैस खानदान के दरमियान।

सवाल न. 79 :– जंगे खैबर किस सन् हिजरी और किस महीने में हुई ?

जवाब :– मुहर्रम के महीने में छटी या सातवीं हिजरी।

सवाल न. 80 :– तौरात और इन्जील कौन सी जबानों में उतरी ?

जवाब :– तौरात सुरयानी और इन्जील इबरानी जबानों में।

सवाल न. 81 :– किस तरह सजदा करने से नमाज़ दोबारा पढ़ने का हुक्म है ?

जवाब :– सजदा करने में अगर पावों की तीन उंगलियों का पेट ज़मीन से नहीं लगा या नाक हड्डी तक न दबी तो इन सूरतों में नमाज़ का दोबारा पढ़ने का हुक्म है।

सवाल न. 82 :– कब ज़ोहर व मग़रिब की नमाज़ पढ़ने के बाद नफ्ल पढना मकरूह है ?

जवाब :– अरफ़ात में जबकि ज़ोहर व अस्र और मुज्दलफ़ा में मग़रिब व इशा की नमाज मिलाकर पढते हैं। इस सूरत में उन नमाज़ों के बाद नफ्ल व सुन्नत पढ़ना मकरूह है।

सवाल न. 83 :– ईद की नमाज़ में कितनी ज़ाएद तकबीरें होती हैं ?

जवाब :– छः तकबीरें।

सवाल न. 84 :– वह कौन सी नमाज है जिसका ज़ाहिर करना गुनाह है

जवाब :– कज़ा नमाज का।

सवाल न. 85 :– वह कौन सा वाजिब है जिसके छूटने पर सजदए सहव नहीं।

जवाब :– .कुरआन मजीद की सूरतों में तरतीब वाजिब है मगर उसके छूटने पर सजदए सहव नहीं। इसलिए कि वह वाजिबाते तिलावत से है वाजिबाते नमाज़ से नहीं।

सवाल न. 86:– फर्ज नमाज में अल्हम्द शरीफ़ पढ़ना किन लोगों को

मना है ?

जवाब :– मुकतदी को।

सवाल न. 87 :– किस तरह तकबीरे तहरीमा कहने से नमाज़ नहीं होती ?

जवाब :– मुकतदी ने अगर लफ्ज़े अल्लाह इमाम के साथ कहा और अकबर को इमाम से पहले ख़त्म कर दिया तो नमाज़ नहीं होगी।

सवाल न. 88 :– क़ादए ऊला और क़ादए अख़ीरा किसे कहते हैं ?

जवाब :– चार रकात वाली नमाज़ में दूसरी रकात पर अत्तहिय्यात पढ़ने के लिए बैठने को कादए ऊला और आखिर में बैठने को क़ादए आख़िरा कहते हैं।

सवाल न. 89 :– अकेले नमाज़ पढ़ने वाले को क्या कहते हैं ?

जवाब :– मुनफरिद।

सवाल न. 90 :– फराइज़े नमाज़ कितने हैं और क्या क्या हैं ?

जवाब :– सात हैं 1: तकबीरे तहरीमा 2: क़याम 3: क़िरात 4: रुकू 5: सजदा 6: कादए आख़िरा 7: ख़ुरुज बेसुनऐही (नमाज़ की बनावट से निकलना)

सवाल न. 91 :– रुकू से उठकर खड़े होने की हालत को क्या कहते है ?

जवाब :– कौमा।

सवाल न. 92 :– दोनों सजदों के बाद अत्तहिइयात पढ़ने के लिए बैठने को क्या कहते हैं ?

जवाब :– तशह्हुद।

सवाल न. 93 :– वह कौन सी नमाज है जिसका पढ़ना फ़र्ज़े –ए– ऐंन है मगर वह छूट जाए तो उसकी कज़ा पढ़ना हराम है ?

जवाब :– नमाज़ –ए– जुमा।

सवाल न. 94 :– किस नमाज़ में पिछली सफ में खड़ा होना अफ्ज़ल है ?

जवाब:- जनाज़े की नमाज़ में।

सवाल न. 95 :– वह कौन सा काम है जो दूसरे हज से अफ़जल है ?

जवाब :– मुसलमानों के लिए मुसाफिरखाना बनाना दूसरे हज से अफ़जल है।

सवाल न. 96 :– जकात ज़ाहिर करके देना मुस्तहिब है मगर वह कौन सी सूरत है कि ज़कात छुपाकर देना मुस्तहिब है ?

जवाब :– जबकि माल की ज्यादती जाहिर होने से जालिमों का खौफ हो ?

सवाल न. 97 :– तयम्मुम किन चीज़ों से टूट जाता है ?

जवाब :– जिन चीजों से वुजू टूट जाता है उन चीजों से तयम्मुम भी टूट जाता है। पानी पर कादिर होने से भी तयम्मुम टूट जाता है।

सवाल न. 98 :– दोनों सजदों के दरमियान बैठने की हालत को क्या कहते है ?

जवाब :– जलसा।

सवाल न. 99 :– .खुतबे से पहले अजान का ऐहतमाम किसने किया ?

जवाब :– हजरते उसमाने गनी रदियल्लाहु तआला अन्हु ने।

सवाल न. 100 :– सबसे पहले जुमे की नमाज किस मस्जिद में हुई ?

जवाब :– मस्जिदे .कुबा में।

सवाल न. 101 :– सबसे पहली नाम निहाद मस्जिद जो इसलाम को नुकसान पहुँचाने के लिए बनाई गई उसका नाम बताईये ?

जवाब :– मस्जिदे जर्रार।

सवाल न. 102 :– तमाम नबियों ने हमारे हुजूर अलैहिस्सलाम की इकतिदा मे नमाज कब और कहाँ पढी ?

जवाब :– शबे मेराज (मेराज की रात) बैतुल मकदिस में।

सवाल न. 103 :– जंग –ए– मौता किस सन् हिजरी में हुई ?

जवाब :– सन् आठ हिजरी में।

सवाल न. 104 :– जंग –ए– खन्दक का दूसरा नाम बताईये ?

जवाब:– जंग-ए-अहज़ाब।

सवाल न. 105 :– जिहाद की इजाज़त कब मिली ?

जवाब :– 12 सफ़र सन् 2 हिजरी में।

सवाल न. 106– मुसलमानों का मुस्लिम नाम किस पैगम्बर के जमाने में रखा गया ?

जवाब :– हजरते इब्राहीम अलैहिस्सलाम के जमाने में।

सवाल न. 107 :– सबसे पहले जन्नती लिबास किसको पहनाया जाएगा और क्यूँ ?

जवाब :– हजरते इब्राहीम अलैहिस्सलाम को और वह इसलिए कि जब नमरूद ने आपको आग में डाला तब आपके कपड़े उतार लिए गए थे।

सवाल न. 108 :– नमाजे खौफ का हुक्म कब नाजिल हुआ ?

जवाब :– सन् पाँच हिजरी में।

सवाल न.109 :– मुआहिदा हुदैबिया के फौरन बाद कौन सी सूरह नाजिल हुई ?

जवाब :– सूरए फतह।

सवाल न. 110 :– मीरास के अहकाम कब नाज़िल हुए ?

जवाब :– सन् तीन हिजरी में।

सवाल न. 111 :– हुज़ूर –ए– अकरम की परदादी का असली नाम बताईये ?

जवाब :– सलमा।

सवाल न. 112 :– हुज़ूर –ए– अकरम के दादा हजरते अब्दुल मुत्तलिब कहाँ पैदा हुए ?

जवाब :– यसरब (मदीनए शरीफ का पुराना नाम) में।

सवाल न. 113 :– हजरते हाशिम का इन्तेकाल कितने साल की उम्र में और कहाँ हुआ ?

जवाब :– पच्चीस साल की उम्र में, मकामे गज्ज़ाह (मुल्के शाम के रास्ते में) पर हुआ था।

सवाल न. 114 :– हजरते फातिमा ज़हरा का विसाल हुज़ूर के विसाल के कितने माह बाद और कब हुआ ?

जवाब :– हुज़ूर अलैहिस्सलाम् के विसाल के छः माह बाद तीन रमजान सन् ग्यारह हिजरी में।

सवाल न.115 :– फ़ातिमा ज़हरा रदियल्लाहु तआला अन्हा की नमाजे जनाज़ा किसने पढ़ाई ?

जवाब :– हजरते अब्बास रदियल्लाहु तआला अन्हु ने।

सवाल न. 116 :– हजरते फातिमा ज़हरा को कब्र में किसने उतारा ?

जवाब :– हजरते अली, हज़रते अब्बास और हजरते फज़्ल रदियल्लाहु तआला अन्हुम ने।

सवाल न. 117 :– सबसे पहले इसलाम में किसकी मीरास (वह माल जो मरने वाला छोड़ता है) तकसीम की गई ?

जवाब :– हजरते साद बिन रबीआ रदियल्लाहु तआला अन्हु की।

सवाल न. 118 :– खतना के वक्त हजरते इब्राहीम अलैहिस्सलाम की उम्र कितनी थी ?

जवाब :– अस्सी साल।

सवाल न. 119 :– जंग –ए– बदर की फतेह के बाद वहाँ कितने दिन कयाम फरमाया ?

जवाब :– तीन दिन।

सवाल न. 120 :– हजरत उमर की वालिदा का नाम क्या था ?

जवाब :– खन्तुमा।

सवाल न. 121 :– उस शख्स का नाम बताईये जिससे हुज़ूर –ए– अकरम ने सबसे पहले मेराज का वाकिया बयान फरमाया ?

जवाब :– हजरते उम्मे हानी रदियल्लाहु तआला अन्हा से।

सवाल न. 122 :– जिस वक़्त हुज़ूर का विसाल हुआ तो उस वक्त आपके पास कौन साहाबिया मौजूद थीं?

जवाब :- हुज़ूर की जौजा हज़रते आइशा सिद्दीक़ा रदियल्लाहु अन्हा।

सवाल न. 123 :- हुज़ूर -ए- अकरम के दादा का लक़ब क्या था ?

जवाब :- मुतइमुत्तैर (परिन्दों को खिलाने वाला)

सवाल न. 124 :- उम्मुल मोमिनीन हजरते उम्मे हबीबा का असली नाम बताइये ?

जवाब :- उनका असली नाम रमला था।

सवाल न. 125 :- आपका .खुतबए **निकाह** किसने पढ़ाया ?

जवाब :- नजाशी के बादशाह ने।

सवाल न. 126 :- हुज़ूर -ए- अकरम ने सलातीन(बादशाहों) के नाम जो .खुतूत भेजे उसमें इस्तेमाल की जाने वाली मुहर किस चीज़ की बनी हुई थी ?

जवाब :- चांदी की।

सवाल न. 127 :- उस अंगूठी पर क्या लिखा हुआ था ?

जवाब :- " मुहम्मदुर्रसूलुल्लाह " लिखा हुआ था।

सवाल न. 128 :- जंग -ए- बदर के जिन क़ैदियों ने फ़िदिया दिया था उनमें से एक क़ैदी ने फ़िदिये में वह कौन सी चीज दी थी जिसे देखकर हुज़ूर -ए- अकरम की आंखों में आंसू आ गए ?

जवाब :- फ़िदिया देने वालों में हुज़ूर सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम के दामाद **अबुल** आस भी थे। उन्होंने फिदिये में वह हार दिया था जो हजरते खदीजा ने अपनी बेटी हज़रते जैनब की शादी के वक्त दिया था जब हुज़ूर **की** नज़र उस हार पर जड़ी तो हज़रते ख़दीजा की याद आने पर **आपकी** आंखों में आंसू आ गए ?

सवाल न. 129 :- आपने अपने हयाते ज़ाहिरी से पर्दा फ़रमाया तो उस वक़्त आप के जिस्म -ए- अक़दस पर क्या - क्या लिबास थे ?

जवाब :-एक मोटा कम्बल और एक तहमन्द शरीफ था।

सवाल न. 130:- किस सूरत में ज़ुहर की दो रकात सुन्नत को

ज़ुहर की दो रकात सुन्नत से पहले पढ़ना अफ़ज़ल है ?

जवाब :– जबकि ज़ुहर की चार रकात सुन्नत फ़र्ज से पहले न पढ सका हो।

सवाल न. 131 :– मैदाने उहुद में वह कौन से सहाबी थे जो अकड़ते हुए और सर पर सुर्ख़ रूमाल बांधे हुए निकले थे और हुज़ूर सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम ने फरमाया था यह चाल ख़ुदा को सख़्त नापसन्द है लेकिन इस वक्त पसन्द है ?

जवाब :– हजरते अबू दुजाना रदियल्लाहु तआला अन्हु।

सवाल न. 132 :– जंगे उहुद में वह कौन से सहाबी थे जिन्होंने अपने काफिर बाप से लड़ने की इजाज़त मांगी लेकिन हुज़ूर ने यह गवारा नहीं किया कि बेटा बाप पर तलवार उठाए ?

जवाब :– हजरते हन्ज़ला रदियल्लाहु तआला अन्हु।

सवाल न. 133 :– सन् हिजरी कब मुकर्रर हुई और क्यूँ ?

जवाब :– सन 21 हिजरी में ——— जब कहीं से ख़त आता था तो सिर्फ महीना लिखा होता था साल का पता नहीं चलता था।

सवाल न. 134 :– सन् हिजरी किसने राइज की और मशवरा किसने दिया ?

जवाब :– हजरते उमर ने राइज की और हजरते अली ने मशवरा दिया।

सवाल न. 135 :– हज़रते ख़दीजा के बाद सबसे पहले इस्लाम लाने वाली खातून का नाम बताईये ?

जवाब :– हजरते उम्मे फ़ज़्ल जो कि रसूले अकरम की चची थीं और हजरते अब्बास की बीवी थीं।

सवाल न. 136 – जंग –ए– बदर में काफिरों की तरफ से जो सबसे पहले लड़ने के लिए निकले उनके नाम बताइये ? और उनका अन्जाम क्या हुआ ?

जवाब:- उतबा बिन रबीआ अपने भाई शीबा बिन रबीआ और अपने

बेटे वलीद बिन उतबा के साथ। यह तीनों क़त्ल किए गए।

सवाल न. 137 :– इन तीनों काफिरों के मुक़ाबले में इस्लामी लश्कर से कौन कौन निकले ? और इन्हें किसने क़त्ल किया ?

जवाब :– हज़रते अमीर हम्ज़ा, हज़रते उबैदा बिन हारिस बिन अब्दुल मुत्तलिब, हज़रते अली रदियल्लाहु तआला अन्हुम। उतबा को हज़रते अमीर हम्ज़ा ने और बाक़ी को हज़रते अली ने क़त्ल किया।

सवाल न. 138 :– मर्द गैर माज़ूर इमाम के लिए कितनी शर्ते हैं ?

जवाब :– छः । (1) इस्लाम (2) बुलूग़ (3) आक़िल होना (4) मर्द होना (5) किरात (6) माज़ूर न होना।

सवाल न. 139 :–एक बच्चे के सिर्फ हाथ पैर पाए गए जिसको किसी जानवर ने खा लिया और यह पता नहीं लगता कि लड़का है या लड़की तो जनाज़े में कौन सी दुआ पढ़ी जाएगी ?

जवाब :– ऐसे बच्चे के जनाजे की नमाज़ नहीं होगी।

सवाल न. 140 :– यह किस सहाबिया का रसूले अकरम के बारे में बयान है कि " .खुदा की क़सम आपके हाथ ने बैअत के लिए किसी औरत के हाथ को न छुआ सिर्फ कलाम ही से बैअत फ़रमा लेते थे।"

जवाब :– हज़रते खदीजा रदियल्लाहु तआला अन्हु का।

सवाल न. 141 :– हज़रते अबू हुरैरा रदियल्लाहु तआला अन्हु को अबू हुरैरा क्यूँ कहा जाता है ?

जवाब :– हज़रते अबू हुरैरा बिल्ली से प्यार करते थे इसलिए हुज़ूर ने आपको अबू हुरैरा कह कर पुकारा।

सवाल न. 142 :– हज़रते अबू हुरैरा का असली नाम बताईये ?

जवाब :– अब्दुर्रहमान।

सवाल न. 143 :– हज़रते अबूबक्र सिद्दीक़ रदियल्लाहु तआला अन्हु ने अपने .गुस्ल के लिए वसियत अपनी बीवी हज़रते असमा के लिए की थी मगर यह किस शख़्स के लिए कहा था कि फ़लां हाथ बटाए और

कब्र में आपको किसने उतारा ?

जवाब :– हाथ बटाने के लिए वसियत अब्दुर्रहमान बिन अबूबक्र के लिए की थी और हजरते उमर, हज़रते तल्हा, हजरते उसमान। हजरते अब्दुर्रहमान बिन अबूबक्र ने कब्र में उतारा (रदियल्लाहु तआला अन्हुम)

सवाल न. 144 :– जंग –ए– खन्दक़ के मौके पर हज़रते जाबिर ने हुज़ूर से चुपके से अर्ज किया या रसूलल्लाह एक साअ आटे की रोटियाँ और एक बकरी के बच्चे का गोश्त मैंने घर में तैयार कराया है। आप सिर्फ कुछ लोगों के साथ चल कर तनावुल (खायें) फ़रमायें। कितने सहाबा ने वह खाना खाया ?

जवाब :– एक हज़ार सहाबा ने तनावुल फ़रमाया और खाना उतना ही बाकी था।

सवाल न. 145 :– " हक़ आ गया और बातिल मिट गया बेशक बातिल मिटने ही की चीज है। " ये अलफाज़ हुज़ूर –ए– अकरम ने किस मौके पर अदा फ़रमाए

जवाब :– फ़तहे मक्का के मौके पर काबे के अन्दर दस्ते मुबारक में छडी लिए हुए और बुतों की तरफ़ इशारा करते हुए फरमाया था ––– जाअल हक वज़ाहकल बातिल इन्नल बातिला काना जहूका।

सवाल न. 146 :– मदीने के उन सबसे पहले बारह लोगों के नाम बताइये जिन्होंने मक्का आकर हुज़ूर से बैअत की और उनके बैअत करने को क्या कहा जाता है ?

जवाब :– (1) अबू उमामा साद बिन जुरारा (2) साद बिन रबीअ (3) राफ़ेअ बिन मालिक (4) अब्दुल्लाह बिन रवाहा (5)बर्रा बिन मारूर(6) अब्दुल्ला बिन अम्र (7) साद बिन उबादा (8) मुन्जिर बिन उमर (9) उबादा बिन सामित (10) उसैद बिन हुज़ैर (11)अबुल हैशम बिन तैहान (12) साद बिन खेसम।

सवाल न. 147 :- वह खातून कौन थी जिनके बारे में अल्लाह तआला

ने फ़रमाया कि तुम्हारे गजबनाक (.गुस्सा) होने से अल्लाह तआला गज़बनाक होता है और तम्हारे राजी होने से अल्लाह राज़ी होता है ?
जवाब :– हज़रते फतिमा रदियल्लाहु तआला अन्हा।
सवाल न. 148 :– हज़रते उमर ने अपने खलीफा हो ज़ाने के बाद किसको हज के लिए भेजा ?
जवाब :– अब्दुर्रहमान बिन औफ।
सवाल न. 149 :– सबसे पहले अजान से मुताल्लिक अपना ख़्वाब हुजूर –ए– **अकरम** को किसने बयान किया ?
जवाब :– हजरते अब्दुल्लाह इब्ने जैद।
सवाल न. 150 :– सबसे ज़्यादा हदीसे रिवायत करने वाले कौन है ?
जवाब :– हजरते अब्दुर्रहमान रदियल्लाहु तआला अन्हु।
सवाल न. 151 :– हज़रते आइशा मक्का से मदीना शरीफ़ किसके साथ तशरीफ लाई ?
जवाब : अपने भाई हज़रते अब्दुल्लाह बिन अबूबक्र के साथ।
सवाल न. 152 :– हज़रते अबूबक्र ने हज़रते उमर को ख़लीफा मनोनीत करने से पहले सहाबा से पूछा कि तुम सब इस बात पर राजी हो ? तो हजरते अली ने क्या फरमाया ?
जवाब :– अगर वह शख़्स उमर नहीं है तो हम राज़ी नहीं है।
नोट :– इस बात से शियाओं को नसीहत हासिल करना चाहिए जिसमें हजरते अली हज़रते अबूबक्र की खिलाफत के बाद हजरते उमर की खिलाफत को तसलीम कर रहे हैं।
सवाल न. 153 :– किस सन् हिजरी में हजरते उमर ने लोगों को जमाअत के साथ तरावीह की नमाज पढ़ाई ?
जवाब :- सन चौदह हिजरी में।
सवाल न. 154 :– हजरते उसमाने गनी रदियल्लाह तआला अन्ह की
ाहादत के मौके पर हज़रते अबू हुरैरा अफ़सोस के साथ कहते थे कि

लोगों को एक गम है मुझको दो गम हैं तो उनको दो गम क्या थे ?
जवाब :– पहला गम हजरते उसमाने गनी की शहादत और दूसरा गम उनको उस थैली का था जो उनकी कमर से कट कर कहीं गिर गई थी क्यूँकि उस थैली में रखी खजूरों को हुज़ूर ने दुआ फरमा दी इसलिए वह खजूरें कभी खत्म नहीं होती थीं।

सवाल न. 155 :– हज़रते अली रदियल्लाहु तआला अन्हु हजरते उमर से 17 साल छोटे हैं और खिलाफत के मामले में भी चौथे नम्बर पर हैं लेकिन वह कौन सा रिश्ता है जिसमें हजरते अली का मरतबा हज़रते उमर से बढ जाता है ?
जवाब :– इसलिए कि आप हज़रते उमर के सुसर थे।

सवाल न. 156 :– हजरते अबूबक्र सिद्दीक़ रदियल्लाहु तआला अन्हु की माँ का नाम बताईये ?
जवाब : हजरते उम्मुल खैर सलमा बिन्ते सरवर बिन आमिर।

सवाल न. 157 :– तख़ीईर और ईला किसे कहते हैं ?
जवाब :– अगर शौहर अपनी बीवी को तलाक का और उसको निकाह में रहने न रहने का इख्तेयार दे दे तो इसे तख़ीईर कहते है। ईला उसे कहते है कि शौहर अगर कसम खाए कि मैं अपनी बीवी से सोहबत नहीं करूँगा।

सवाल न. 158 :– कबीलए बनू नुज़ैर के मदीने से चले जाने के बाद जब उनके घरों की तलाशी ली गई तो क्या क्या सामान निकला और कितनी तादाद में ?
जवाब : पचास लोहे की टोपियाँ, पचास जिरहें और तीन सौ चालीस तलवारें।

सवाल न. 159 :– वह कौन से गरीब मुसलमान है जिसको हज के लिए कर्ज लेना ज़ुरूरी है ?
जवाब:– जो शख़्स पहले मालदार था और उस पर हज फ़र्ज़ हुआ

मगर उसने नहीं किया और माल को बर्बाद कर दिया।

सवाल न. 160 :– जंगे बदर की फतह की .खुशखबरी मदीने कौन लेकर गया ?

जवाब : जैद बिन हारिस रदियल्लाहु तआला अन्हु।

सवाल न. 161 :– हिन्द बिन्ते औफ़ के बारे में कहा जाता है कि रू –ए– जमीन पर दामादों के ऐतबार से उससे ज़्यादा कोई . ख़ुशकिस्मत नहीं तो उनके दामाद कौन कौन थे ?

जवाब : (1) मुहम्मदुर्रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम (2) हजरते अबूबक्र (3) हजरते अली (4) हज़रते अमीर हम्जा (5) हजरते अब्बास (6) हज़रते शद्दाद इब्ने अल हाद रदियल्लाहु तआला अन्हुम।

सवाल न. 162 :– सबसे पहले जमाअत के साथ नमाज़े तरावीह पढ़ने का हुक्म किसने दिया ?

जवाब : हजरते उमर फारुके आज़म रदियल्लाहु तआला अन्हु ने।

सवाल न. 163 :– अरबी साल जिल्हिज्जा पर ख़त्म और मुहर्रम से शुरू होता है इन महीनों में क्या मुनासिबत है। हिजरत रबीउल अव्वल में हुई तो चाहिए था कि हिजरी सन् रबीउल अव्वल से शुरू हुआ करे ?

जवाब : इस्लाम की हर चीज़ की बुनियाद इबादत और .कुर्बानी पर है चूंकि जिलहिज्जा में हज़रते इब्राहीम अलैहिस्सलाम ने अपने बेटे की .कुर्बानी पेश की और मुहर्रम में बहुत से पैगम्बरों ने .कुर्बानियाँ पेश कीं इसी महीने में इमाम हुसैन की .कुर्बानी पेश होने वाली थी इसलिए इस्लामी महीना .कुर्बानी से शुरू और .कुर्बानी पर खत्म होता है।

सवाल न. 164 :– AABE ? (जिसका मैं मौला हूं उसके अली भी मौला हैं) यह कलिमात हुजूरे अकरम ने किस मकाम पर और क्यूँ फ़रमाये ?

जवाब :– मकामे खमे ग़दीर पर ———— बरीदा अरलमी ने कुछ शिकायात हज़रते अली की हुजूर से की जिनका ताअल्लुक़ -हुकूमते

यमन के ज़माने में ग़नाएम (बकरियों) वग़ैरा से था चूंकि यह शिकायात बेबुनियाद थीं इसलिए हुज़ूर अकरम ने बहुत ही फसीह व बलीग़ ख़ुतबा हज़राते अहले बैत के बारे में दिया और हज़रते अली का हाथ अपने दस्ते मुबारक में लेकर फरमाया था।

सवाल न. 165 :– मुल्के शाम के शहरों पर हमले के लिए जो फ़ौज हज़रते अबूबक्र रदियल्लाहु तआला अन्हु ने रवाना की थी उसका सिपेसालार किसे बनाया था नीज़ जो दस वसीयतें कीं थीं वह क्या क्या थीं ?

जवाब :– सिपेहसालार यज़ीद बिन सुफ़यान को ------ दस वसीयतें ये हैं (1) औरत (2) बच्चे (3) बूढ़े (4) अपाहिज शख़्स को कत्ल न करना (5) किसी फलदार दरख़्त को न काटना (6) बस्तियों को न उजाड़ना (7) बकिरयों और ऊँटों को सिवाए खाने के काम में लाने के मत मारना (8)खेतियों को बरबाद मत करना और न उनको जलाना (9) .फ़ुज़ूलख़र्ची से बचना (10) बुख़्ल से ऐहतेराज़ करना

सवाल न. 166 :– उस सहाबी का नाम बताइये जिन्हें हुज़ूरे अकरम ने तीन बार जन्नत की बशारत दी और मवाक़ेअ भी बताइये ?

जवाब :– हजरत उसमाने गनी रदियल्लाहु तआला अन्हु (1) जब उन्होंने मस्जिदे नबवी के इर्द गिर्द जमीन ख़रीद कर वक़्फ़ कर दी (2) जब कुंआ ख़रीद कर वक़्फ़ किया (3) ग़ज़वए तबूक के मौक़े पर।

सवाल न. 167 :– वह कौन शख़्स है जिसकी मौत पचास साल की उम्र में हुई उसके जनाज़े में नाबालिग की दुआ पढ़ी जाएगी ?

जवाब :– जो शख़्स बालिग होने से पहले पागल हो गया और जिन्दगी भर पागल रहा कभी मुकल्लफ़ न हुआ।

सवाल न. 168 :– किस सूरत में नंगे सर नमाज़ पढ़ना वाजिब और किस सूरत में मुस्तहब और किस सूरत में कुफ़्र है ?

जवाबः- मर्द को ऐहराम की हालत में नंगे सर नमाज पढना वाजिब

.खुशू व .खुज़ू की नियत से पढ़ना मुस्तहब और जब कि नमाज़ की तहकीर मक़सूद हो तो कुफ्र है।

सवाल न. 169 :– दो शख्स आवाज़ के साथ इस तरह रोए कि हुरूफ़ पैदा हुए जिसके सबब एक की नमाज़ फ़ासिद हो गई और दूसरे की नहीं उसकी सूरत क्या है ?

जवाब :– एक शख्स दर्द और मुसीबत से रोया उसकी नमाज़ फ़ासिद हो गई और दूसरा शख्स जन्नत या जहन्नम के जिक्र से रोया उसकी नमाज़ फ़ासिद नहीं हुई।

सवाल न. 170 :– वह कौन सा मुक़तदी है कि जिसके सबब इमाम और मुक़तदी दोनों की नमाज़ फ़ासिद हो जाएगी ?

जवाब :– क़ारी यानी इतनी क़िरात जानता हो जिससे नमाज़ जाएज़ हो जाए अगर वह उम्मी की इक़तिदा करे यानी ऐसे शख़्स की कि वह इतनी किरात न जानता हो कि जिससे नमाज़ जाएज हो जाए तो ऐसे मुक़तदी की इक़तिदा के सबब इमाम और मुक़तदी दोनों की नमाज़ फ़ासिद हो जाएगी।

सवाल न. 171 :– फज्र की नमाज़ में दुआए .कुनूत पढ़ना जाएज़ है उसकी सूरत क्या है ?

जवाब :– जब कि बहुत बड़ा कोई हादसा पेश आए तो इस सूरत में फज्र की नामज़ में भी दुआए .कुनूत पढ़ना जाएज़ है।

सवाल न. 172 :– पांचों वक़्तों में से किसी एक वक़्त की नमाज़ क़ज़ा हो गई और ग़ालिब गुमान भी किसी एक पर नहीं तो अब क्या करें ?

जवाब :– उस दिन की पांचों वक़्तों की नमाज़ दोबारा पढ़े।

सवाल न. 173 :– मेराज शरीफ़ का तज़किरा किस किस पारे में है ?

जवाब :– पन्द्रहवें पारे में और सत्ताइस्वें पारे में।

सवाल न. 174 :– अज़ान राइज होने से पहले नमाज़ियों को जमा करने का क्या तरीक़ा था?

जवाब :— हज़रते बिलाल रदियल्लाहु अन्हु बस्ती में घूम कर अस्सलातु जामेआ की सदा लगा कर लोगों को इकट्ठा किया करते थे।

सवाल न. 175 :— फज्र की नमाज में अस्सलातुख़ैरुम्मिनन नौम का इज़ाफ़ा किसने किया ?

जवाब :— हज़रते उमर रदियल्लाहु तआला अन्हु।

सवाल न. 176 :— गज़वा और सरिय्या में क्या फ़र्क़ है ?

जवाब :— गज़वा वह मार्का जिसमें हुज़ूर सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम शामिल रहे और सरिय्या वह मार्का है जिसमें हुज़ूर बनफ़्से नफ़ीस शामिल न रहे।

सवाल न. 177 :— हाबील का क़त्ल काबील ने किस दिन किया ?

जवाब :— मंगल के दिन।

सवाल न. 178 :— हिल्फ़ुल फ़ुज़ूल किसे कहते हैं और क्यूँ ?

जवाब :— ऐलाने नुबुव्वत से पहले रोज़ रोज़ की लड़ाईयों से अरब के सैकड़ों घर बर्बाद हो गए तो उन लड़ाईयों को बन्द करने के लिए क़ुरैश के सरदारों में जो मुआहिदा हुआ उस मुआहिदे को हिल्फ़ुल फ़ुज़ूल कहते हैं —— उस मुआहिदे को हिल्फ़ुल फ़ुज़ूल कहने की वजह यह है कि क़ुरैश के इस मुआहिदे से पहले ही कबीलए जुरहम के सरदारों के दरमियान भी मुआहिदा हुआ था वह लोग जो इस मुआहिदे के मुहर्रिक थे उनके नाम फज़्ल थे इस लिए इस मुआहिदे का नाम हिलफ़ुल फ़ुज़ूल रखा।

सवाल न. 179 :— जन्नत और दोज़ख़ के दारोगा का नाम बताइये ?

जवाब :— जन्नत के दरोगा का नाम रिजवान और जहन्नम के दारोगा का नाम मालिक है।

सवाल न. 180 :— कितने जानवर जन्नत में जायेंगे ?

जवाब :— पाँच (1) अस्हाबे कहफ़ का कुत्ता (2) हजरते इस्माईल अलैहिस्सलाम का मेंढा (3) हज़रते स्वालेह अलैहिस्सलाम की ऊँटनी

(4) हज़रते उजैर अलैहिस्सलाम का गधा (5) हुज़ूरे अकरम अलैहिस्सलाम का बुराक़।

सवाल न. 181 :– उन बुज़ुर्ग का नाम बताइये जिन्हें ख्वाब में हुज़ूरे अकरम सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम ने हिन्दुस्तान मे नूरे इस्लाम फैलाने का हुक्म दिया।

जवाब :– हजरत ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती रदियल्लाहु तआला अन्हु।

सवाल न. 182 :– जंगे मौता ने हजरते ख़ालिद बिन वलीद रदियल्लाहु तआला अन्हु के हाथ से कितनी तलवारें टूट कर गिरीं ?

जवाब :– नौ तलवारे।

सवाल न. 183 :– जब सन् छः हिजरी में हुदैबिया के सुलहनामे में तहरीर किया जा चुका कि दस साल तक फ़रीकैन के बीच कोई जंग न होगी तो फिर आख़िर ऐसा कौन सा सबब नमूदार हो गया कि सुलहनामे के दो ही साल बाद ताजदारे दो आलम को हथियार उठाने की .ज़ुरूरत पेश आई ?

जवाब :– हुदैबिया के सुलहनामे में एक शर्त यह भी थी कि क़बाइले अरब में से जो .क़ुरैश के साथ मुआहिदा करना चाहे वह .क़ुरैश के साथ मुआहिदा करे और हो हुज़ूरे अकरम के साथ मुआहिदा करना चाहे वह हुज़ूर से मुआहिदा करे। इसके पेशेनज़र मक्के के क़रीब दो क़बीले थे बनी बक्र और बनी .ख़ुज़ाआ। बनी बक्र ने कुफ्फ़ारे .क़ुरैश से और बनी .ख़ुज़ाआ ने हुज़ूरे अकरम से आपसी मदद कामुआहिदा कर लिया। इन दो क़बीलों में अर्सो दराज़ से अदावत थी इसलिए क़बीलए बनी बक्र ने बनी .ख़ुज़ाआ का क़त्ले आम किया और .क़ुरैश ने भी उनका साथ दिया। इस हादसे के बाद बनी .ख़ुज़ाआ के चालीस आदमी जो हुज़ूर के हलीफ़ बन चुके थे आपकी बारगाह में हाज़िर हुए और अपने ऊपर कुफ्फ़ारे .क़ुरैश के .ज़ुल्म करने का ज़िक्र किया बनी ख़ुज़ाआ पर हमला करना गोया सरकार पर हमला करने के

बराबर था इसीलिए हुजूरे अकरम सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम ने बनी .खुजाआ का साथ दिया और तलवार उठानी पड़ी।

सवाल न. 184 :– फतह मक्का के बाद हज़रत अबू सुफ़यान क्या सोच रहे थे कि हुज़ूर सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम ने उनके सीने पर हाथ मारा ?

जवाब :– अबू सुफयान ने दिल में कहा कि काश मैं फौज जमा करके दुबारा इनसे जंग करता तब हुज़ूर ने हाथ मारकर इरशाद फ़रमाया कि अगर तू ऐसा करेगा तो अल्लाह तआला तुझे ज़लील करेगा। दूसरी रिवायत यह है कि अबू सुफयान ने सोचा कि कौन सी ताकत इनके पास है जो ये हमेशा गालिब रहते हैं तब हुज़ूर ने सीने पर हाथ मारकर इरशाद फरमाया कि हम .खुदा की ताकत से गालिब हो जाते हैं।

नोट : इस वाकिये से मालूम होता है कि हुज़ूरे अकरम सल्लल्लाहु तआला अलैहि वसल्लम इल्मे गैब ज़ानते हैं और लोगों के दिलों के हालात भी अल्लाह की अता से जान लिया करते हैं।

सवाल न. 185 :– सहाबा की एक जमाअत तीन दिन में .कुरआन खत्म करती थी। हुफ्फ़ाज और .कुर्रा की इस्तेलाह में इसे क्या कहा जाता है ?

जवाब :– मनाज़िले फ़ील।

सवाल न. 186 :– तौरैत, इंजील कौन सी .ज़ुबानों में नाज़िल हुइ ?

जवाब :– तौरैत सुरयानी .ज़ुबान में और इंजील इबरानी .ज़ुबान में।

सवाल न. 187 :– नमाजे जनाजा में कितने रूक्न है और वह क्या क्या है ?

जवाब :– दो रूक्न हैं (1) चार बार अल्लाहु अकबर कहना (2) कयाम।

सवाल न. 188 :– नमाज़े जनाज़ा में कितनी चीजें सुन्नते मुअक्किदा हैं और वह क्या क्या हैं ?

जवाब : तीन (1) अल्लाह तआला की हम्द ओ सना (2) नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम पर दुरूद (3) मय्यत के लिए दुआ।